A Daily News Magazine
भोपाल
शुक्रवार, 14 मार्च, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22, अंक 186, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

बरसाने की होली के रंग अनेक....

बरसाने में पहले गोकुल के हुरियारे (पुरुष), बरसाने की हुरियारिनों (महिलाओं) के साथ होली खेली जाती है। जहां महिलाएं लाठियों से हुरियारों पर प्रेम से वार करती है।

बरसेगा रंग, उड़ेगा गुलाल, मस्ती में डूबेंगे हुरियारे

आज देश में होली रे रसिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में कल शुक्रवार को होली की धूम रहेगी। होली और रमजान का जुमा एक साथ पड़ने की वजह से देश भर में सुरक्षा व्यवस्था सख्त की गई है। कल 14 मार्च को होली और रमजान का जुमा 64 साल बाद एकसाथ पड़ रहे हैं। देशभर में पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश

में खास व्यवस्था की गई है। उत्तर प्रदेश में होली से पहले मस्जिदों को तिरपाल से ढंक दिया गया है। शाहजहांपुर में सबसे ज्यादा 67 और संभल में 10 मस्जिदों को ढंका गया है। बरेली में 5 मस्जिदें ढंकी गई हैं। उधर एमपी में इंदौर के महू में पुलिस ने मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि यदि होली के रंगों से दिक्कत हो तो मस्जिदों को प्लास्टिक से कवर कर दें। छत्तीसगढ़ में जुमे की नमाज के समय में बदलाव किया गया है। होली के दिन मस्जिदों में दोपहर 1 बजे होने वाली नमाज अब 2 से 3 बजे के बीच होगी।

महू की घटना के बाद सख्ती

इंदौर के महू में रविवार रात हुए विवाद के बाद पुलिस हाई अलर्ट पर है। 21 जगहों पर होलिका दहन होना है। इन इलाकों के आसपास जहां-जहां मस्जिदें हैं, वहां पुलिस ने मुस्लिम समुदाय से कहा है कि यदि होली के रंगों से दिक्कत हो तो उन्हें प्लास्टिक से कवर कर दें। होली पर इंदौर में 2 हजार जवान तैनात किए गए हैं। सभी जोन में 2-2 ड्रोन रहेंगे। 3 से ज्यादा ड्रोन से होली पर संवेदनशील इलाकों में नजर रखी जाएगी। घरों की छतों पर होने वाली मूवमेंट पर भी नजर रखेंगे। वहीं छत्तीसगढ़ में जुमे की नमाज के समय में बदलाव किया गया है।

हैदराबाद में लोगों पर रंग फेंकने की मनाही, ग्रुप में आने-जाने पर रोक

होली के चलते हैदराबाद पुलिस ने सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों पर जबरदस्ती रंग डालने पर रोक लगाई है। पुलिस की तरफ से जारी नोटिफिकेशन में ग्रुप में बाइक और कार से आने-जाने पर भी रोक लगी है। अधिकारियों के मुताबिक, शहर में शांति व्यवस्था भंग न हो इसके लिए यह नियम लागू किया गया है। होली के त्योहार को लेकर इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल, उज्जैन सहित प्रदेश भर में पुलिस ने तैयारियां की हैं। होली के जुलूस और जुमे की नमाज के समय को मैनेज करने की भी तैयारी है।

विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन जोरदार हंगामा

सीएम यादव बोले- कांग्रेस के लोग टाइगर खा गए

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन गुरुवार को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस दौरान लाड़ली बहनों के लिए बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि रेडीमेड गारमेंट सेक्टर में काम करने वाली लाड़ली बहनों को हर महीन 5000 रुपए इंसेंटिव देंगे।

उन्होंने कहा- चीते से मिलने जाना हो तो कांग्रेस के लोग श्योपुर चले जाएं, वहां मिलवा देंगे। वर्ष 1919 में खुले माधव नेशनल पार्क में जितने भी टाइगर थे, वे सब कांग्रेस के लोग खा गए। अब हमारी सरकार ने फिर से यहां टाइगर छोड़े हैं।

सीएम ने कहा- गांधीजी की विश्व दृष्टि, अंबेडकर की सोच और प्रधानमंत्री मोदी का विकास अभिभाषण में देखने को मिला है। यह 2047 तक प्रदेश का बजट 28 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचाने की तैयारी है। स्वास्थ्य सूचकांक में मध्यप्रदेश देश में नंबर एक स्थान पर आया है। नीति आयोग ने मध्यप्रदेश को परफॉर्मर राज्यों की श्रेणी में शामिल किया है। वन पर्यटन के लिए जहां 2003 तक 64 लाख टूरिस्ट ही आते थे, आज की स्थिति में 13 करोड़ से ज्यादा

पर्यटक आ रहे हैं।

विधानसभा की कार्यवाही 17 मार्च तक स्थगित

विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर साढ़े 11 घंटे से ज्यादा समय तक चर्चा की गई। इसके बाद बजट पर चर्चा हुई। इसमें बीजेपी विधायक व पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा- यह बजट अब तक का सबसे अच्छा बजट रहा है। यह सर्वस्पर्शी बजट है। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही 17 मार्च तक स्थगित कर दी गई। इस दिन बजट पर चर्चा भार्गव के वक्तव्य के साथ ही शुरू होगी

(शेष पेज-2 पर)

आरोप-प्रत्यारोप पर विधानसभा अध्यक्ष की नई व्यवस्था

मध्यप्रदेश विधानसभा की कार्यवाही के दौरान विधायकों द्वारा उपयोग की जाने वाली भाषा के संदर्भ में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने गुरूवार को महत्वपूर्ण व्यवस्था दी है। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने राज्यपाल के अभिभाषण के कृतज्ञता प्रस्ताव पर हो रही चर्चा के दौरान असंसदीय शब्दावली तथा व्यक्तिगत आरोप प्रत्यारोप के संबंध में यह व्यवस्था दी। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बीच में कई बार थोड़ी अप्रिय स्थिति उत्पन्न हुई थी। मध्यप्रदेश विधानसभा की एक गरिमामय परंपरा रही है। जिसके कारण मध्यप्रदेश की विधानसभा की प्रतिष्ठा देश भर में अग्रणी स्थान पर रहती है, लेकिन कई बार शब्दावली ऐसी हो जाती है जो उचित नहीं कही जा सकती है और इसलिए हम सबका यह प्रयत्न होना चाहिए कि शब्दावली में सुधार हो और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप से बचें। विधानसभा अध्यक्ष तोमर ने व्यवस्था देते हुए कहा कि मेरी अपेक्षा है कि कोई भी सदस्य इस बात का ध्यान रखे कि वे व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोपों से बचें और ऐसी शब्दावली का उपयोग न करे जिससे हमारे सदन की परम्परा हमेशा के लिए प्रभावित और कलंकित हो, ऐसी मेरी आप सब लोगों से अपेक्षा है। घोड़ा रोज से फसलों को बचाने के लिए सलाह मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रदेश के कई अंचलों में घोड़ा रोज (रोजड़े) से फसलों को होने वाले नुकसान से किसानों को बचाने के लिए एक व्यवस्थित कार्ययोजना बनाने की सलाह प्रदेश सरकार को दी है। गुरूवार को प्रश्नकाल के दौरान सदस्य विपिन जैन ने प्रश्न उठाया था कि घोड़ारोज (रोजड़े) से किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान से रोकथाम के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं? इनके द्वारा प्रतिदिन बढ़ रहे सड़क हादसों की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा क्या प्रभावी कदम उठाये जा रहे हैं? इस सवाल का जवाब राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने दिया।

सुप्रभात

गले मुझको लगा लो
ऐ दिलदार होली में
बुझे दिल की लगी भी
तो ऐ यार होली में
नहीं ये है गुलाले-सुर्ख
उड़ता हर जगह प्यारे
ये आशिक की है उमड़ी आहें
आतिशबार होली में
गुलाबी गाल पर कुछ रंग
मुझको भी जमाने दो
मनाने दो मुझे भी जानेमन
त्योहार होली में
है रंगत जाफ़रानी रुख
अबीरी कुमकुम कुछ है
बने हो खुद ही होली तुम
ऐ दिलदार होली में
रस गर जामे-मय गैरों को
देते हो तो मुझको भी
नशीली आँख दिखाकर
करो सरशार होली में...

– भारतेंदु हरिश्चंद्र

होली की शुभकामनाएं

रंगों के त्यौहार होली पर 'सुबह सवेरे' कार्यालय में 14 व 15 मार्च यानी दो दिन का अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 17 मार्च 2025 को प्रकाशित होगा। 'सुबह सवेरे' के सभी पाठकों को होली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। – सं.

इतिहास लेखन की परंपरा जितनी लिखित है, उतनी अलिखित भी

विक्रमोत्सव

डॉ. जफर महमूद
उज्जैन से

जीवन के लिए कर्म करो। कर्म निष्काम करो। कर्म धर्म से युक्त हो और जो कर्म धर्म से युक्त है वह समाज के हितार्थ होता है। कर्म समाज के हित में हो और अंत में यह धर्म से युक्त कर्म निष्काम कर्म में बदलना चाहिए। कर्म निष्काम होना चाहिए। समाज में एकता अखंडता और सामंजस्य लाना है। उसके लिए प्रेम अत्यंत आवश्यक है। यह प्रेम निष्काम कर्म से ही लाया जा सकता है। यह बात हरिद्वार के आध्यात्मिक संत आचार्य प्रद्युम्न ने विक्रमोत्सव में आयोजित अंतराष्ट्रीय इतिहास समागम के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते कही।

आचार्य प्रद्युम्न ने कहा कि इतिहास लेखन की परंपरा जितनी लिखित है। उतनी अलिखित भी है। इसमें हमारी जन श्रुतियाँ, लोकोक्तियाँ, कथाएँ इसकी मार्गदर्शिका है। लिखित इतिहास में उन्होंने ऋग्वेद को सर्वाधिक प्राचीन लिखित साहित्य का इतिहास बताया। उन्होंने कहा कि जो हमें वेदों में विभिन्न आख्यान मिलते हैं वह सभी कहीं ना कहीं इतिहास से जुड़े हुए हैं। क्योंकि उनमें भूमंडल की बात है। उनमें स्थान विशेष के देवी देवताओं या पूजा पद्धतियों की बात है।यह कहीं ना कहीं इतिहास से जुड़ता है। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.

ईश्वरशरण विश्वकर्मा थे। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य संबंधी कथानक और भारतीय ज्ञान परंपरा जैसे विषयों पर सारगर्भित चर्चा करते हुए कहा कि इस तीन दिवसीय इतिहास समागम में महत्वपूर्ण मंथन हुआ है। अंतराष्ट्रीय इतिहास लेखन पर पढ़े गए पत्रों के माध्यम से क्षेत्रीय इतिहास का पुनर्लेखन एक महत्वपूर्ण विषय है। मालवा के इतिहास पर नए-नए तथ्यात्मक जानकारी प्रस्तुत हुए हैं। इस अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज ने कहा कि इतिहास केवल प्राचीन घटनाओं को नहीं बताता। बल्कि वर्तमान पीढ़ी को भी नई सीख प्रदान करता है। उन्होंने शोधार्थियों को आह्वान किया कि वह इतिहास के पुनर्लेखन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। इस अवसर पर कार्य परिषद के वरिष्ठ सदस्य राजेश सिंह कुशवाह ने शोधार्थियों को आह्वान किया की गंभीरता के साथ नवीन चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए इतिहास का पुनर्लेखन करें। कार्यक्रम में विक्रम विश्वविद्यालय के कुलसचिव अनिल शर्मा, कुलानुशासक डॉ. शैलेंद्र शर्मा, डॉ. मोहनलाल चराड, डॉ. किरण शर्मा आदि ने भी अपने विचार एवं शोध पत्रों का वाचन किया। संचालन डॉ. मुकेश शाह ने किया। आभार डॉ. रमण सोलंकी ने व्यक्त किया।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 22 °c
न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शुक्रवार, 14 मार्च 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

पंजाब कांग्रेस की मिशन-2027 की तैयारी शुरू

प्रभारी बघेल की अगुआई में मीटिंग, सीनियर लीडर मौजूद, गिले शिकवे किए जा रहे दूर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पहले हरियाणा और फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली असफलता के बाद पंजाब कांग्रेस ने दो साल बाद यानी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति बनानी शुरू कर दी है। मिशन-2027 के लिए पार्टी के नए प्रभारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अगुआई में पंजाब कांग्रेस के नेताओं की दिल्ली में बैठक हुई है।

सारी सीनियर लीडरशिप एक साथ इस मीटिंग में मौजूद रही। मीटिंग में पूर्व सीएम व सांसद चरणजीत सिंह चन्नी, पूर्व डिप्टी सीएम व सांसद सुखविंदर सिंह रंधावा, पंजाब कांग्रेस प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, प्रताप सिंह बाजवा, भारत भूषण आशु, राणा केपी सिंह, अरूणा चौधरी, राणा गुरजीत सिंह, डॉ अमर सिंह, शमशेर सिंह दूलो,

राजिंदर कौर भट्टल, मोहम्मद सादिक, विजय इंद्र सिगला, सुखपाल सिंह खैहरा, सभी सांसद व पूर्व विधायक व मंत्री मौजूद रहे। कोशिश यही है कि नेताओं के गिले-शिकवे दूर किए जाए।

साथ ही एक दूसरे खिलाफ बयान बाजी रोकी जाए। इस बैठक में राज्य के हालात के बारे में भी बताया जा रहा है और पार्टी के अंदर चल रही गुटबाजी पर ब्रेक लगाना बहुत जरूरी है। आने वाले समय में सत्ताधारी सरकार को घेरने के लिए भी नई रणनीति तैयारी जाएगी।

- **लोकसभा चुनाव के नतीजों ने जगाई उम्मीदें-** कांग्रेस के लिए पंजाब राज्य काफी अहम है, क्योंकि यहां पार्टी का मजबूत आधार है। भले ही 2022 में पार्टी राज्य की सत्ता से बाहर हो गई। लेकिन 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों ने पार्टी में नया जोश भर दिया है। कांग्रेस ने राज्य की 13 में से 7 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि राज्य की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी को तीन सीटें मिलीं। वहीं, अकाली दल को एक सीट, निर्दलीयों को दो सीटें मिलीं। भाजपा अपना खाता भी नहीं खोल पाई। हालांकि, वोट प्रतिशत के मामले में भाजपा तीसरे स्थान पर जरूर पहुंच गई। जबकि पड़ोसी राज्य हरियाणा में कांग्रेस को पांच और भाजपा को पांच सीटें मिलीं। पंजाब कांग्रेस में गुटबाजी कोई नया मुद्दा नहीं है लेकिन यह सवाल जब कार्यकर्ता ही पार्टी नेताओं से करने लगे तो यह चीज और भी अहम हो जाती है। दरअसल 'जुड़ेगा ब्लॉक- जीतेगी कांग्रेस' मुहिम कांग्रेस ने इन दिनों शुरू की गई है। डेराबस्सी में एक कार्यकर्ता ने सीनियर नेताओं की मौजूदगी में गुटबाजी को लेकर उठा दिया।

तेलंगाना सीएम के खिलाफ बोला तो भड़क गई कांग्रेस

- 2 महिला पत्रकार गिरफ्तार

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी के खिलाफ लिखना-बोलना दो महिला पत्रकारों को भारी पड़ गया। हैदराबाद पुलिस की साइबर सेल ने उन्हें बुधवार को तड़के 5 बजे गिरफ्तार कर लिया। सुबह-सुबह पुलिस ने दोनों महिला पत्रकारों पी रेवती और थानवी यादव को उनके घरों से गिरफ्तार किया। दोनों पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ अपमानजनक और गाली-गलौज वाली पोस्ट लिखने के आरोप हैं। वरिष्ठ पत्रकार रेवती पल्स न्यूज की मैनेजिंग डायरेक्टर हैं, जबकि थानवी यादव उसी मीडिया संगठन में रिपोर्टर हैं। कांग्रेस नेता की शिकायत सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो के बारे में है, जिसमें पल्स न्यूज के एक रिपोर्टर ने एक व्यक्ति का साक्षात्कार लिया है।

तमिलनाडु सरकार ने बजट डॉक्यूमेंट में रुपए का सिंबल बदला

चेन्नई (एजेंसी)। नई शिक्षा नीति (एनईपी) और ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच विवाद चल रहा है। इस बीच तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने राज्य के बजट से का सिंबल बदलकर तमिल भाषा में कर दिया है। तमिलनाडु में डीएमके की सरकार है और एम के स्टालिन यहां के सीएम हैं। सरकार ने 2025-26 के बजट में रुपए का सिंबल तमिल सिंबल से रिप्लेस कर दिया। यह तमिल लिपी का अक्षर 'रु' है। केंद्र सरकार और तमिलनाडु सरकार के बीच हिन्दी को लेकर पिछले महीने भर से विवाद चल रहा है। केंद्र सरकार नई शिक्षा नीति के तहत ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने को कह रही है। इसमें हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा स्थानीय भाषा शामिल है। तमिलनाडु सरकार हिन्दी के खिलाफ है। अन्नामलाई बोले- डीएमके नेता के बेटे ने डिजाइन किया था।

टैंकर ने कार-पिकअप को टक्कर मारी, 8 की मौत

धार (एजेंसी)। धार जिले के बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर बुधवार रात 11 बजे रॉन्ग साइड से आ रहे गैस टैंकर ने कार और पिकअप वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पिकअप सवार चार और कार सवार चार लोगों समेत 8 की मौत हुई है। पिकअप सवार 2 लोग घायल हैं। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ लोग कार और पिकअप में फंस गए थे। उन्हें क्रेन की मदद से निकाला जा सका। कार सवार सभी लोग मंदसौर के एयू स्मॉल फायनेंस बैंक के कर्मचारी थे। जो इंदौर में एक बैठक में शामिल होकर लौट रहे थे। जानकारी के मुताबिक, रात करीब 11 बजे इंडेन गैस टैंकर नंबर उज्जैन की ओर जा रहा था। बदनावर-उज्जैन बायपास पर टैंकर रॉन्ग साइड से आ रहा था।

चौतरफा घिर गए हैं सीएम नीतिश

- बीजेपी पड़ने लगी है भारी! चिराग ने दिया बदलाव का संकेत
- तेजस्वी और पीके बने हैं बड़े दुश्मन

पटना (एजेंसी)। बिहार में सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। एनडीए में भाजपा की अपनी तैयारी है तो महागठबंधन में राजद और उसकी पुरानी सहयोगी कांग्रेस भी अलग-अलग अपनी चुनावी तैयारियों में जुटे हैं। विधानमंडल के दोनों सदनों में सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष में रोज घमासान हो रहा है। सीएम नीतिश कुमार बात-बात में झुंझला जा रहे तो विपक्षी उन्हें उकसाने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे। भाजपा नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार में डेरा डालने की बात कह रहे हैं तो एनडीए की घटक लोजपा (आर) के नेता चिराग पासवान बता रहे कि बिहार में अगली सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के सोच वाली होगी। नीतिश कुमार जितना प्रतिपक्ष के निशाने पर हैं, उतने ही एनडीए के कुछ घटक दलों के भी। तेजस्वी यादव ने नीतिश को टायर्ड-रिटायर्ड बता कर अब उनके इस्तीफे की मांग कर दी है। जन सुराज के संस्थापक तो तेजस्वी यादव के साथ नीतिश कुमार पर भी समान रूप से हमलावर हैं। एनडीए की सहयोगी लोजपा (आर) के नेता और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान तो पीएम मोदी की सोच वाली अगली सरकार बनने का दावा कर रहे हैं। उनके इस बयान का अर्थ यह भी निकलता है कि अभी तक मोदी की सोच वाली सरकार बिहार में नहीं थी।

- **अमित शाह ने सरगर्मी बढ़ाई, बनाया बड़ा प्लान-** अमित शाह बिहार के बारे में जब भी बोलते हैं, तब सियासी सरगर्मी अचानक परवान चढ़ जाती है। बीते वर्ष दिसंबर में उन्होंने बिहार के अगले सीएम के सवाल पर कहा था कि इसका फैसला पार्लियामेंट्री बोर्ड करेगा। तब कयास लगाए गए कि बिहार में भाजपा महाराष्ट्र का पैटर्न दोहरा सकती है। इसे लेकर भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता भी चौंक गए थे। नीतिश के नाराज होने की खबरें भी तब चर्चा में थीं। हालांकि उन्होंने बाद में साफ कर दिया अब वे एनडीए छोड़ कहीं नहीं जाने वाले। अब उन्होंने कहा है कि वे चुनाव से पहले बिहार में डेरा डालेंगे। वे जहां डेरा डालते हैं, वहां भाजपा की सरकार बन जाती है। उत्तर प्रदेश इसका उदाहरण है। पिछले साल से नीतिश कुमार की सेहत को लेकर सवाल उठते रहे हैं। एक बार उन्होंने अपने मंत्री अशोक चौधरी पर श्रद्धांजलि के फूल फेंक दिए थे तो दूसरी बार श्रद्धांजलि सभा में ताली बजाने लगे। डेप्युटी सीएम विजय सिन्हा और अशोक चौधरी के सिर भी उन्होंने टकरा दिए थे। पांव छूने का तो उन्होंने कीर्तिमान ही बना दिया है। पीएम मोदी रोकते नहीं तो वे कई बार उनके पांव पड़ जाते। हाल ही में उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के पांव छूने की उन्होंने कोशिश की।

राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र लू की चपेट में

- होली के बाद एमपी समेत 5 राज्यों में बढ़ेगी गर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली के पहले ही गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के कई इलाके लू की चपेट में हैं। गुजरात-राजस्थान के एक दर्जन से अधिक शहरों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। कई स्थानों पर तापमान सामान्य से 8.8 डिग्री सेल्सियस तक अधिक है। गुजरात, महाराष्ट्र व राजस्थान के 17 शहरों में लगातार दूसरे दिन अधिकतम तापमान 40 डिग्री से ज्यादा दर्ज हुआ। महज 3 साल के अंदर यह दूसरा मौका है जब लू का दौर मार्च के पहले पखवाड़े में आ गया है। 2022 में भी लू का पहला दौर गुजरात में 11 से 19 मार्च के बीच महसूस किया गया था। हालांकि उस वर्ष होली 8 मार्च को थी। इस बार होली के दिन उत्तर-पश्चिमी भारत में हल्की बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि गुजरात, उससे लगे राजस्थान और पश्चिमी तट के कोंकण इलाके में गुरुवार से तापमान में कमी की संभावना है, लेकिन लू जारी रहेगी।

एक्ट्रेस रान्या ने यूट्यूब से सीखा सोना छिपाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव ने डायरेक्ट्रेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस को अपने बयान में बताया कि उसने यूट्यूब वीडियो देखकर सोना छिपाना सीखा था। रान्या को 14.2 करोड़ रुपए की गोल्ड तस्करी केस में गिरफ्तार किया गया है। रान्या ने ये भी बताया कि स्मगलिंग के लिए उसे अनजान नंबरों से कॉल आते थे। ये पहली बार था, जब वह सोना दुबई से बेंगलुरु लेकर आई थी। रान्या के मुताबिक सोने को अपने शरीर से चिपकाने के लिए उसने एयरपोर्ट पर ही क्रेप बैंडेज और कैंची खरीदी था। सोना प्लास्टिक चढ़े दो पैकेटों में था। उसे छिपाने के लिए टॉयलेट में जाकर सोने के बिस्किट्स शरीर से चिपकाए थे। बेंगलुरु में तस्करी का सोना अज्ञात व्यक्ति को देना था।

सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष से वापसी एक बार फिर टली

- रॉकेट लॉन्चिंग सिस्टम में खराबी

फ्लोरिडा (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से वापसी टल गई है। नासा ने तकनीकी खराबी के चलते स्पेस स्टेशन के लिए नए क्रू को लेकर जा रहे मिशन क्रू 10 को टाल दिया है। इस मिशन को कल यानी 12 मार्च को स्पेसएक्स के रॉकेट फाल्कन 9 से लॉन्च किया जाना था। इसमें चार अंतरिक्ष यात्री स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होने वाले थे। इनमें दो अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, जापान के टाकुया ओनिशी और रूस के के अंतरिक्ष यात्री किरिल पेस्कोव (रोस्कोस्मोस) शामिल हैं। ये चारों पिछले 9 महीने से स्पेस स्टेशन में फंसे सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर की जगह लेते। स्पेस स्टेशन का हैंडओवर देने के बाद सुनीता विलियम्स और अन्य 3 साथी 16 मार्च को स्पेस स्टेशन से रवाना होते। हालांकि अब इसमें देरी आ गई है। क्रू 10 मिशन को टालने की वजह उसके रॉकेट के ग्राउंड सपोर्ट क्लैम्प आर्म में हाइड्रोलिक सिस्टम में आई खराबी थी।

डिजिटल अरेस्ट के मामलों में 83668 वॉट्सऐप अकाउंट बंद

- गृह मंत्रालय ने जानकारी दी, 13.36 लाख+शिकायतों से 4386 करोड़ का नुकसान बचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में शामिल 3962 से ज्यादा स्काइप आईडी और 83,668 वॉट्सऐप अकाउंट्स की पहचान करके ब्लॉक कर दिया है। संस्था साइबर अपराधों पर निगरानी के लिए गृह मंत्रालय स्पेशल विंग है। गृह राज्य मंत्री संजय बंदी कुमार ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सांसद तिरुचि शिवा के सवाल सर यह लिखित जानकारी दी। उन्होंने बताया- साइबर अपराधियों ने इन अकाउंट्स का इस्तेमाल ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी की थी। इसके अलावा 28 फरवरी, 2025 तक 7.81 लाख से ज्यादा सिम कार्ड और 2.08 लाख से ज्यादा यूनिक नंबर ब्लॉक किए गए हैं। वहीं, 13.36 लाख से ज्यादा शिकायतों के आधार पर 4386 करोड़ रुपए से ज्यादा के नुकसान से बचा जा सका है। गृह राज्य मंत्री ने बताया कि सरकार ने इंटरनेशनल स्पूफ कॉल की पहचान करने और उन्हें ब्लॉक करने के लिए एक सिस्टम तैयार किया है।

पेज 1 शेष

विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन जोरदार ....

बजट पर चर्चा में बोले भार्गव- यह सर्वस्पर्शी, सबसे अच्छा- राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के बाद विधानसभा में बजट पर चर्चा हुई। इसमें बीजेपी विधायक व पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा- यह बजट अब तक का सबसे अच्छा बजट रहा है। यह सर्वस्पर्शी बजट है। जहां भगवान कृष्ण के चरण पड़े, उन स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित करने का काम किया जाएगा। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य धर्म जागरण करना है।भार्गव ने कहा- द्वादश ज्योतिर्लिंग में जो मान्यता महाकाल की है, वह किसी की नहीं है। यहां के लिए 2000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मैं कहना चाहता हूं कि इसके लिए जितनी भी राशि की जरूरत हो, वह उपलब्ध कराई जानी चाहिए ताकि प्रयागराज से भी अच्छा महाकुंभ उज्जैन में हो।

अभिभाषण पर साढ़े 11 घंटे से ज्यादा समय तक चर्चा- मुख्यमंत्री का जवाब खत्म होने के बाद स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा- राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में सदस्यों ने साढ़े 11 घंटे से अधिक समय तक अपने विचार रखे। इसके बाद राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता प्रस्ताव पारित किया गया।

एक साल में 61 हजार युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- एक साल में 61 हजार युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। एक लाख पदों पर भर्ती की जा रही है। 6440 पदों पर नियुक्ति का निर्णय ले लिया गया है। इस पर विधायक सचिन यादव ने कहा कि ओबीसी को नियुक्ति देने में देरी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि कोर्ट के आदेश का इंतजार है।

इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो चलेगी, दो मेट्रोपॉलिटन सिटी बनेंगी- राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा- पहले उज्जैन में 29 लाख श्रद्धालु आते थे, आज 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु एक साल में महाकाल महालोक पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं ज्यादा पिक्चर नहीं देखता, नाम भूल जाता हूं लेकिन मध्यप्रदेश में फिल्म पर्यटन बढ़ रहा है। यहां फिल्में बनने लगी हैं।मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाने का निर्णय सरकार ने लिया है। इंदौर-उज्जैन के बीच मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा। सीएम ने कहा कि स्वच्छता के लिए प्रदेश स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा कराएंगे ताकि स्वच्छता को लेकर आपस में होड़ बने और शहर-गांव अधिक स्वच्छ बनें। 1100 से अधिक गांवों में अटल ग्राम सेवा केंद्र बनाए जा रहे हैं। ऊर्जा के क्षेत्र में राष्ट्रीय औसत 1340 किलोवाट का है, जो मध्यप्रदेश में ही 1365 किलोवाट है। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के माध्यम से सोलर एनर्जी पर एक ज्वाइंट वेंचर प्रोग्राम चल रहा है। जिसमें 6 महीने बिजली एक स्टेट लेगा, फिर 6 महीने दूसरे स्टेट को बिजली मिलेगी। 18 हजार करोड़ की इंदौर मनमाड नई रेल लाइन डाली जाएगी, जिससे धार-बड़वानी जिलों को रेल सुविधा मिलेगी। भोपाल और इंदौर के बीआरटीएस को हटाने के मामले में सरकार ने निर्णय लिया है। एक साल में राज्य परिवहन सेवा शुरू हो जाएगी।

इन्वेस्टर्स समिट में आए निवेशकों के लिए फैसिलिटेशन केंद्र बनाए- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा- 2003 तक प्रदेश में उद्योगों की संख्या 23 थी, जो अब बढ़कर 320 हो गई है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जितने भी निवेश के प्रस्ताव आए हैं, उनके लिए जिला स्तर पर इन्वेस्टमेंट फैसिलिटेशन केंद्र बनाए हैं। ये सिंगल विंडो के लिए काम करेंगे।

हमारी सरकार ने पैरामेडिकल स्टाफ के 43 हजार पद इसी साल स्वीकृत किए हैं।

कोई लाड़ली बहन अगर रेडीमेड गारमेंट में काम करेगी तो उसे रू. 5000 प्रति महीना इंसेंटिव दिया जाएगा। 26 लाख लाड़ली बहनों को रू.450 में गैस सिलेंडर देने के लिए 769 करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई है।

25 हजार गांवों में दूध उत्पादन समितियों का गठन होगी- मुख्यमंत्री ने कहा- विलय के बाद भी सांची का ब्रांड लोगो नहीं बदलेगा। प्रोडक्ट पर अमूल का ब्रांड नहीं, सांची का ही ब्रांड रहेगा। डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड के साथ हमने एमओयू किया है कि दूध पर रू. 5 प्रति लीटर पर बोनस देंगे। 5 साल में 25 हजार गांवों में दूध उत्पादन समितियों का गठन किया जाएगा। गोशालाओं को 139.65 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से डाली गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा- कांग्रेस के लोग अपने नेता जयराम रमेश को समझा लें, केन बेतवा नदी जोड़ो परियोजना 20 साल पीछे रही है तो कांग्रेस के कारण रही है। जो योजना 20 हजार करोड़ की थी, वह एक लाख करोड़ पहुंच गई है। जयराम रमेश को बुंदेलखंड के लोगों से जाने किस बात की दुश्मनी है कि वह इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं।

कांग्रेस सरकार में कृषि विकास दर 3 प्रतिशत थी, अब 10 प्रतिशत से ज्यादा

मुख्यमंत्री यादव ने कहा- सरकार ने तय किया है कि जिला स्तर पर विकास समिति बनेगी। आबादी बढ़ने के साथ 627 थानों की सीमाओं को सहज किया है। प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए भी काम हो रहा है। गांव, शहर और जिले के सीमाओं में सुधार की जरूरत है, इसके लिए भी काम चल रहा है।

विधायक जयवर्धन सिंह का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा- उनके पिताजी मुख्यमंत्री रहे हैं पर काम नहीं किया। हमारी सरकार ने गुना में ही विश्वविद्यालय खोलने का काम किया है। 55 साल तक सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज थे, बीजेपी सरकार में यह संख्या बढ़कर 30 हो गई है। कांग्रेस सरकार में 2003 तक कृषि विकास दर 3 प्रतिशत थी, जो अब 10 प्रतिशत से अधिक है।

मुख्यमंत्री ने कहा- जिनके बिजली कनेक्शन स्थायी नहीं हैं, उनके कनेक्शन 5 में स्थायी किए जाएंगे। सरकार 10 लाख सोलर बिजली पंप देना चाहती है ताकि बिजली की सप्लाई का झंझट खत्म हो। हम चाहते हैं कि किसान से बिजली खरीदें।

2047 तक प्रदेश का बजट 28 लाख करोड़ रुपए पहुंचाने की तैयारी- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा- आपने जो बोला, हमने सुना। अब मैं जो बोलूंगा, वह आपको सुनना होगा।

कांग्रेस विधायकों ने कहा अस्पतालों में डाक्टर नहीं- विधानसभा में विधायक पंकज उपाध्याय ने कहा- अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं। कैग की रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि 86 प्रतिशत मामलों में सरकार जवाब नहीं दे रही है। इस पर लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा- कैग की रिपोर्ट पर अमल के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। 5 महीने में सभी खाली पद भर दिए जाएंगे। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट होकर कांग्रेस विधायकों ने सदन से वॉक आउट किया। बाहर आकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

सरकार हम मुद्दे पर जवाब देने को तैयार- सारंग- मंत्री विश्वास सारंग ने कहा- इस मंच का उपयोग फोटो अपॉर्चुनिटी के लिए या न्यूज में आने के लिए किया जाए तो उचित नहीं है। डिस्कस करिए, वाद-विवाद करिए लेकिन कंटेंट नहीं है तो कभी सांप गले में डाल लेना, कभी काला कपड़ा बांध लेना...हमें इस बात का भी जरूर ध्यान रखना चाहिए कि हमारी कोई भी हरकत कहीं लोकतंत्र को, विधायिका को शर्मसार न करे। सरकार हम मुद्दे पर जवाब देने को तैयार है।

उपनेता प्रतिपक्ष का पद नियमावली में नहीं- बीजेपी विधायक भूपेंद्र सिंह विधानसभा की नियमावली लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा- उपनेता प्रतिपक्ष का पद नियमावली में नहीं है। न ही राजपत्र में इसका कोई प्रकाशन हुआ है। हेमंत कटारे फर्जी उपनेता बनकर घूम रहे हैं।

1500 से अधिक स्थानों पर हुआ होलिका दहन

आज जमकर उड़ेगा रंग गुलाल

भोपाल (नप्र)। गुरुवार को भोपाल में 1500 से अधिक स्थानों पर होलिका दहन हुआ। शाम को पूजा के बाद रात में दहन शुरू हो गया था जो देर रात तक जारी था। आज शुक्रवार को रंग-गुलाल जमकर उड़ाया जाएगा। पुराने शहर में चल समारोह भी निकलेगा। शहर में गुरुवार को पूर्णिमा तिथि और धृति योग में होलिका दहन हुआ। इस साल भी पर्यावरण संरक्षण और गोवंश संवर्धन के उद्देश्य से गोकाष्ठ से होलिका दहन को प्राथमिकता दी जा रही है।

आज कई चल समारोह निकलेंगे

आज 14 मार्च को हुरियारों के जुलूस निकलेंगे। वहीं, धुलेंडी पर शहर में रंग-गुलाल उड़ाया जाएगा। प्रमुख क्षेत्रों जैसे दयानंद चौक, करोद, कोलार, संत नगर, भेल आदि में हुरियारों के जुलूस निकलेंगे। हिंदू उत्सव समिति द्वारा दयानंद चौक, जुमेराती से सुबह 11 बजे से होली चल समारोह निकाला जाएगा। इस जुलूस में राधा-कृष्ण और भोलेनाथ की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

सेना के मेजर से निवेश के नाम पर 14.40 लाख ठगे

इंग्लैंड के नंबर से आया था वाट्सएप लिंक

भोपाल (नप्र)। बैरागढ़ स्थित थ्रीइएमइ सेंटर में एक मेजर से निवेश के नाम पर 14.40 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई है। मेजर को इंग्लैंड के एक नंबर से वाट्सएप ग्रुप पर जुड़ने के लिए लिंक आया था। वे ग्रुप में जुड़े तो उन्हें भारी मुनाफे का लोभ दिया गया, जिसमें फंसकर उन्होंने एक फर्जी एप डाउनलोड कर लिया और 24 लाख रुपये निवेश कर दिए। ठगों ने भरोसा जीतने के लिए पहले उनके 10 लाख रुपये तो बैंक खाते में लौटा दिए, लेकिन बाकि की राशि निकालने का प्रयास किया तो उन्हें आइपीओ आवंटन के जाल में फंसा दिया। मेजर की शिकायत पर भोपाल साइबर सेल ने प्रकरण दर्ज किया है।

भोपाल में 1283 स्थानों पर प्रापर्टी की दर 18 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव

भोपाल (नप्र)। कलेक्ट्रेट में गुरुवार को मूल्यांकन समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें पंजीयन विभाग के अधिकारियों ने वित्तीय वर्ष 2025- 26 की कलेक्टर गाइडलाइन का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव में भोपाल जिले में कुल 1283 स्थान पर प्रापर्टी की दरों में 18 प्रतिशत तक की वृद्धि प्रस्तावित की गई है। कलेक्टर गाइडलाइन के प्रस्ताव पर सुझाव के लिए 19 मार्च तक का समय दिया गया है।

सेवानिवृत्त एडीजी के घर चोरों ने जेवर समेत 2 लाख चुराए

भोपाल (नप्र)। भोपाल के चूना भट्टी इलाके की पॉश कालोनी में रहने वाले सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) के सूने घर से बदमाश ने सोने और चांदी के जेवर समेत दो लाख रुपए कैश चोरी कर लिया। चोरी की इस पूरी वारदात को 10 मार्च की दोपहर ढाई बजे अंजाम दिया गया। पुलिस ने बुधवार की देर रात अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चूना भट्टी पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के पद से सेवानिवृत्त हुए आईपीएस अधिकारी एमआर कृष्णा जानकी नगर में अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। उनके बेटे विदेश में रहते हैं। पिछले दिनों रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी घर में ताला लगाकर विदेश चले गए थे। वहां से वे बुधवार को लौटे। तब देखा की घर के मेन गेट का ताला टूटा था। अंदर जाने पर उन्होंने देखा कि घर में सामान बिखरा पड़ा हुआ है। बेडरूम में रखी अलमारियों के लॉकर भी टूटे हुए थे।

दो लाख कैश सहित सोने चांदी के जेवरात ले गए बदमाश- उन्होंने चैक किया तो सोने और चांदी के जेवर व 2 लाख रुपए नगदी चोरी हो चुके थे। इसके बाद वे थाने पहुंचे तथा अपनी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। चोरी की यह पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई।

अकेला युवक घर में घुसा था- फुटेज में दिख रहा है कि 10 मार्च की दोपहर करीब दो बजे एक बदमाश घर के पीछे के दरवाजे से दाखिल हुआ था। वह एक-एक कर सभी कमरों में गया। बाद में वह नगदी व जेवर लेकर भाग गया। पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाश की तलाश कर रही है।

मंत्री श्री विजयवर्गीय और श्री उदय प्रताप सिंह ने होली पर दी शुभकामनाएँ

भोपाल (नप्र)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय और स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने होली पर्व पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि रंगों का पर्व होली हमें विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं को मानने वाले लोगों के बीच में सौहार्द और शांति का संदेश देता है। उन्होंने होली पर्व को भाईचारे के साथ मनाने की अपील की है।

राज्य मंत्री पटेल ने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएँ दीं

भोपाल (नप्र)। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल ने प्रदेशवासियों को होली एवं होलिका दहन की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि होली का पर्व प्रेम, सौहार्द्र और खुशहाली का प्रतीक है। उन्होंने प्रार्थना की है कि होलिका की पावन अग्नि बुराइयों, विसंगतियों और रोगों को समाप्त करे तथा सभी के जीवन में सुख-समृद्धि के रंगों का संचार करे। उन्होंने प्रदेशवासियों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और प्राकृतिक रंगों से होली खेलने की अपील की है।

महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने प्रदेशवासियों को दी होली पर्व की बधाई

भोपाल (नप्र)। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने प्रदेशवासियों को रंगों के त्यौहार होली की शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि होली आनंद, एकता, आत्मीयता, प्यार और खुशी का प्रतीक है। होलिका की पावन अग्नि में दरिद्रता, आलस्य, बुराई, नकारात्मकता और दुःख का दहन करना चाहिए। सुश्री भूरिया ने सभी से अपील की है कि वे हर्षोल्लास और उमंग के साथ सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में होली पर्व मनाएँ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में मध्यप्रदेश राज्य वन्यप्राणी बोर्ड की 28वीं बैठक ली।

भोपाल जिपं की मीटिंग 21 को

स्वास्थ्य, शिक्षा-कृषि समेत 15 विभाग के कामों की समीक्षा होगी, प्रतिनिधियों को एंट्री नहीं

भोपाल (नप्र)। भोपाल में तीन महीने से ज्यादा समय से नहीं हुई जिला पंचायत की मीटिंग 21 मार्च को होगी। वैसे यह मीटिंग हर दो महीने में कराई जानी चाहिए।मीटिंग में स्वास्थ्य, शिक्षा, पीएचई, कृषि, पीडब्ल्यूडी, आदिम जाति, वन, महिला व बाल विकास समेत 15 विभाग के कामों की समीक्षा होगी। इससे पहले सामान्य प्रशासन समिति की मीटिंग भी होगी, जिसमें प्रतिनिधियों को एंट्री नहीं मिलेगी।

इसलिए जरूरी है मीटिंग- जानकारी के अनुसार, मीटिंग ही एक ऐसा प्लेटफार्म होता है, जब सभी विभागों के अफसरों से जिपं अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्य रूबरू होते हैं।

गांव से जुड़े मुद्दे रहेंगे- बैठक में गांव से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। खासकर स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना, जर्जर सड़कें, बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्थाएं, मनरेगा, मध्याह्न भोजन आदि शामिल हैं। भोपाल जिला पंचायत की मीटिंग पिछले साल 9 नवंबर को हुई थी।

दो महीने में होनी चाहिए मीटिंग- नियमानुसार मीटिंग हर दो महीने में होनी चाहिए। हालांकि, तत्कालीन सीईओ ऋतुराज

सिंह के तबादले और भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की वजह से बैठक देरी हुई। पिछली मीटिंग 9 नवंबर 2024 को हुई थी। जिसमें सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सदस्यों ने कई सवाल उठाए थे। पिछली बैठकों में उपाध्यक्ष और सदस्यों की अधिकारियों पर भड़ास भी निकली थी। इसके बाद कामों में थोड़ी तेजी आई।

इधर, निगम की बैठक नहीं होने से कांग्रेस पार्षद नाराज- दूसरी ओर, नगर निगम की बैठक नहीं होने से कांग्रेस पार्षद नाराज है। इसे लेकर उन्होंने भोपाल कमिश्नर संजीव सिंह को पत्र भी लिखा है। जिसमें कहा गया है कि पिछली बैठक 13 दिसंबर 2024 को हुई थी, जिसे तीन महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है, जबकि हर दो महीने में बैठक होना चाहिए। अब तक एजेंडा भी जारी नहीं किया गया है, जो नगर पालिक निगम विधि संहिता धारा 18 और 23क का उल्लंघन है।

नगर निगम भोपाल के श्रमिकों को मिलेगा बढ़ा हुआ वेतन

भोपाल (नप्र)। श्रमिकों (दैनिक वेतन भोगी) को बढ़ा हुआ वेतन देने के श्रम विभाग के आदेश के बाद नगर निगम भोपाल ने श्रमिकों के वेतन में संशोधन किया है। नए वेतनमान के अनुसार, अकुशल श्रमिकों को अब प्रति माह 11,850 रुपए का वेतन मिलेगा। वहीं उच्च कुशल श्रमिकों को 16,194 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा।

नगर निगम ने 1 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च 2025 के वेतन के लिए यह दरें घोषित की हैं। गुरुवार को निगम के अपर आयुक्त वरुण अवस्थी ने बढ़ा हुआ वेतन देने के आदेश जारी कर दिए हैं। नई दरों के अनुसार अर्द्धकुशल श्रमिक को 12846 और कुशल श्रमिक को 14569 रुपए प्रति माह वेतन दिया जाएगा। इस हिसाब से कर्मचारियों को 395 से 539.80 रुपए प्रति दिन वेतन दिया जाएगा।

बता दें कि न्यूनतम वेतन सलाहकार बोर्ड की अनुशंसा पर सरकार ने 1 अप्रैल 2024 से श्रमिकों का वेतन बढ़ाया था। अप्रैल का वेतन मई में मिला ही था कि पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की टेक्सटाइल एसोसिएशन ने बढ़े हुए वेतन की अधिसूचना के खिलाफ हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में याचिका लगा दी थी। जिसका फैसला 10 फरवरी को आया है।

हाईकोर्ट ने टेक्सटाइल, फुटवियर एवं एक अन्य औद्योगिक इकाई में कार्यरत श्रमिकों का वेतन फिर से तय करने को कहा है। अन्य सभी उद्योगों के श्रमिकों को 1 अप्रैल 2024 की अधिसूचना के हिसाब से वेतन देने के आदेश श्रम विभाग ने जारी कर दिए थे। अब विभागवार एवं निकायवार आदेश जारी किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने होली पर प्रदेशवासियों को दीं बधाई और शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सत्य,अधर्म एवं अत्याचार पर भक्ति की जीत के प्रतीक पर्व होली पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से होली की पवित्र अग्नि में सभी नकारात्मक तत्वों को समर्पित कर जीवन में मंगल और शुभता का वरदान मांगने का आव्हान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि होली पर हम सभी देश और समाज के प्रति अपने अमूल्य योगदान की सिद्धि का संकल्प लें।

प्रेम, आत्मीयता और सौहार्द्र से होली मनायें : उप मुख्यमंत्री देवड़ा

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली आत्मीयता, प्रेम, सौहार्द्र का पर्व है इसे सभी के साथ खुशी से मनाये। होली हमें सामाजिक सद्भाव और समरसता का संदेश देती है। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कामना की है कि होली के पावन पर्व पर प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली आए।

उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि हम सबको प्राकृतिक रंगों से होली खेलना चाहिये। उन्होंने प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करते हुए कहा कि यह त्यौहार सभी जीवन में नई ऊर्जा लाये।

एमपी में यूनीफाइड पेंशन स्कीम पर बड़ा फैसला

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश सरकार ने यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को लागू करने की दिशा में पहला कदम उठाया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को बजट पेश करते हुए इस योजना के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की। यह समिति कर्मचारियों से विचार-विमर्श कर यूपीएस की प्रक्रिया और इसे लागू करने का समय तय करेगी। केंद्र सरकार पहले ही 1 अप्रैल 2025 से केंद्रीय कर्मचारियों के लिए यूपीएस लागू करने की घोषणा कर चुकी है।

मध्य प्रदेश में वर्तमान में 4 लाख 60 हजार कर्मचारी नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) के अंतर्गत आते हैं। ये कर्मचारी लंबे समय से ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) की मांग कर रहे हैं। यह मांग सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं, पूरे देश में उठ रही है। सरकार की योजना के अनुसार, कर्मचारियों को एनपीएस और यूपीएस में से किसी एक योजना को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। हालांकि, कर्मचारी संगठनों का कहना है कि यूपीएस भी एनपीएस का ही दूसरा रूप है। वे ओपीएस की मांग पर अडिग हैं। उनका मानना है कि यूपीएस से भी कर्मचारियों को वांछित लाभ नहीं मिलेगा।

उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में 'ज्ञान मंथन' पुस्तक का विमोचन किया।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ, किडनी रोगों से बचें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

नियमित जाँच और अंगदान को बढ़ावा देने का किया आह्वान

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर किडनी रोगों से बचा जा सकता है। विश्व किडनी दिवस के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेशवासियों से किडनी रोगों के प्रति जागरूक रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियां क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) के प्रमुख कारण हैं। इसके नियंत्रण के लिए समय पर जांच और सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं लेकिन अधिक मात्रा में पानी पीने से बचें। अपने आहार में किडनी के लिए अनुकूल फल और सब्जियाँ शामिल करें और भोजन में प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और मसालों का प्रयोग करें। नियमित रूप से व्यायाम करें और धूम्रपान व शराब के सेवन से बचें। साथ ही, चीनी और नमक के अधिक सेवन से परहेज करें ताकि किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित न हो।

वर्तमान वर्ष में अब तक 1 लाख 76 हज़ार से अधिक डायलिसिस सत्र सफलतापूर्वक संपन्न- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और सभी नागरिकों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार किडनी रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार और डायलिसिस सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 67 डायलिसिस इकाइयाँ कार्यरत हैं। इनमें 325 डायलिसिस मशीनों से मरीजों को राहत प्रदान की जा रही है। अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 तक 5058 मरीजों ने इन सेवाओं का लाभ लिया, और इस अवधि में 1,76,975 डायलिसिस सत्र सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। सभी शासकीय चिकित्सालयों में गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सेवा सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन वीडियो मॉनिटरिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे राज्य स्तर से सभी डायलिसिस इकाइयों पर निगरानी रखी जा रही है।

रोकथाम और प्रारंभिक पहचान पर जोर- उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में मधुमेह और उच्च रक्तचाप से ग्रस्त सभी मरीजों की नियमित सीकेडी जांच सुनिश्चित की जा रही है, ताकि इस बीमारी को प्रारंभिक अवस्था में पहचाना और नियंत्रित किया जा सके। सभी चिकित्सकों को भी इस विषय में जागरूक किया जा रहा है कि वे उच्च जोखिम वाले मरीजों की समय पर पहचान कर उचित मार्गदर्शन दें।उन्होंने नागरिकों से अंगदान को अपनाने की अपील की है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सरकार अंग प्रत्यारोपण को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं पर कार्य कर रही है, जिससे अधिक से अधिक मरीजों को नया जीवन मिल सके।

किडनी विकारों के कारण और बचाव

दर्द निवारक दवाओं का अधिक सेवन- दर्द कम करने वाली एनएसएआईडी और एनाल्जेसिक दवाएं अत्यधिक उपयोग से किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं। बिना चिकित्सक की सलाह के इनका लंबे समय तक सेवन न करें।

अधिक नमक का सेवन- ज्यादा नमक या सोडियम युक्त आहार से रक्तचाप बढ़ता है और किडनी पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए नमक की जगह जड़ी-बूटियों और मसालों का उपयोग करें।

प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ- अत्यधिक प्रोसेस्ड फूड में सोडियम, चीनी और अस्वास्थ्यकर वसा अधिक होती है। इससे किडनी रोग का खतरा 24 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इनकी जगह ताजा और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थ अपनाएं।

कम पानी पीना- शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा न होने से किडनी विषाक्त पदार्थों को ठीक से बाहर नहीं निकाल पाती, जिससे क्षति का खतरा बढ़ जाता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, खासकर गर्म मौसम में या अधिक शारीरिक गतिविधि करने पर।

नींद की कमी- अच्छी नींद संपूर्ण स्वास्थ्य और किडनी के सुचारू कार्य के लिए आवश्यक है। नींद-जागने का चक्र किडनी के कार्य भार को नियंत्रित करता है, जिससे शरीर में संतुलन बना रहता है।

अत्यधिक मांस का सेवन- प्रोटीन जरूरी है, लेकिन अधिक मात्रा में मांस खाने से किडनी पर दबाव बढ़ सकता है। संतुलित आहार का पालन करें और अपनी प्रोटीन आवश्यकताओं को ध्यान में रखें।

अत्यधिक चीनी खाना- अधिक चीनी मोटापे को बढ़ाती है, जिससे उच्च रक्तचाप और मधुमेह का खतरा बढ़ता है। ये दोनों किडनी रोग के प्रमुख कारण हैं।

धूम्रपान- धूम्रपान न केवल हृदय और फेफड़ों के लिए बल्कि किडनी के लिए भी हानिकारक है। धूम्रपान करने वालों में मूत्र में प्रोटीन बढ़ने की संभावना अधिक होती है, जो किडनी खराबी का संकेत हो सकता है।

अत्यधिक शराब सेवन- ज्यादा शराब पीने से किडनी के कार्य प्रभावित होते हैं, जिससे शरीर में पानी का संतुलन बिगड़ सकता है और रक्तचाप बढ़ सकता है, जो किडनी रोग का प्रमुख कारण है।

निष्क्रिय जीवनशैली- नियमित व्यायाम से वजन, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखा जा सकता है।

दोस्त ने उधार नहीं लौटाया तो छात्र ने सुसाइड किया

लिखा- मैंने मदद की, तुम क्यों नहीं लौटा रहे; बिना पूछे रुपए देने से पिता नाराज थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में बीटेक फर्स्ट ईयर के छात्र ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उसके कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट मिला है, जिसमें आदर्श द्विवेदी के लिए लिखा है-मेरे परिवार को पैसा लौटा दो। तुमने कहा था, बुधवार तक दे दोगे। लेकिन नहीं दिए, मैंने तुम्हारी मदद की है। तुम्हारे मामा ने भी वादा किया था कि जल्द पैसा लौटा दोगे। अब तुम क्यों नहीं लौटा रहे हो।

घटना भोपाल के रमा नगर की है। रीवा का रहने वाला सत्यम द्विवेदी (18) प्राइवेट कॉलेज से बीटेक सीएस ब्रांच में फर्स्ट ईयर की पढ़ाई

सत्यम, मृतक

कर रहा था। पुलिस ने सुसाइड नोट को जब्त कर लिया है। मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सत्यम के बड़े भाई शिवम द्विवेदी ने बताया, गांव के आदर्श द्विवेदी की सत्यम से दोस्ती थी। आदर्श हमारा दूर का रिश्तेदार भी है। उसने करीब 6 महीने पहले परेशानी का बताकर सत्यम से 80 हजार रुपए ले लिए थे। दोस्त को परेशानी में देख सत्यम ने पिता से पूछे बिना उसे पैसे दे दिए थे। आदर्श ने बाद में पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया था। पिता सत्यम से नाराज थे।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की- टीटी नगर थाने के टीआई सुधीर अरजरिया ने बताया कि परिजनों के डिटेल बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। गुरुवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। सुसाइड नोट की हैंड राइटिंग जांच कराई जाएगी।

फोन पर बहस करता था आदर्श

शिवम ने बताया, आदर्श और सत्यम के बीच जब भी रकम लौटाने को लेकर बात होती तो आदर्श उसे धमकाता था। पिछले दिनों आदर्श के परिजनों से शिकायत की तो उसके मामा ने जल्द पैसे दिलाने का वादा किया था। इसके बाद भी नहीं लौटाए, इसी बात को लेकर सत्यम तनाव में रहने लगा था।

मां से बात करने के बाद लगाई फांसी

सत्यम भोपाल में एक साथी के साथ किराए के कमरे में रहता था। हर रोज मां से कॉल पर बात करता था। बुधवार की रात उसने मां से बात की। उनसे पूछा कि आदर्श की मां से बात हुई कि नहीं। क्या उन्होंने पैसा लौटा दिए। मां ने बताया कि उन्होंने पैसे नहीं लौटाए हैं। कुछ ही देर बाद सत्यम ने फांसी लगा ली। इस बात की जानकारी परिजनों को भोपाल पुलिस ने कॉल पर दी।

संपादकीय

भाईचारे का रंग कायम रहे !

होली रंग, मस्ती और भाईचारे का त्यौहार है। यह हिंदुओं का ऐसा त्यौहार है, जिसमें धार्मिकता और कर्मकांड शायद न्यूनतम है। यह दुश्मनी, कटुता, भेदभाव, छुआछूत व साम्प्रदायिक नफरत को भुलाकर हर किसी को गले लगाने, अबीर गुलाल उड़ाने और रंगों की मस्ती में खुद को डुबो देने का अनूठा पर्व है। इस बार भी होली पूरी शिद्दत से मनेगी, लेकिन अफसोस की बात है कि रंगों के इस पर्व में जिस तरह धार्मिक आधार पर नफरत का रंग घुलता जा रहा है या घोला जा रहा है, उससे इस रंगीन पर्व की खुशियां बढ़ने के बजाए घटती जा रही हैं। एक तरफ हर्बल रंगों की बात हो रही है तो दूसरी तरफ सियासी रंगों का धीमा जहर इसमें मिलाया जा रहा है। होली को पूरी तरह हिंदुओं का पर्व बताने और मानने की कोशिश हो रही है, जबकि होली की मस्तियां सभी के लिए हैं। यह जीवन के तनावों, संघर्षों और कटुताओं को कुछ क्षण के लिए रंगों में डुबो देने की दिली चाहत है। रंग तो केवल प्रतीक हैं, असली भाव है आपस में एकाकार हो जाना। इस बार होली पर और खासकर देश की सबसे ज्यादा आबादी वाले राज्य यूपी में मस्जिदों को तिरपालों से इसलिए ढंका जा रहा है कि कहीं होली के दिन उन पर रंगों के छीटें न पड़ जाएं। क्योंकि मुसलमानों का पवित्र माह रमजान चल रहा है। बेशक किसी पर भी अनावश्यक अथवा अनिच्छा के रंग डालना सही नहीं है, लेकिन रंगों की मस्ती में कहीं कुछ छीटें उड़ भी जाएं तो वो कोई ऐसा महापाप नहीं है कि उस पर तलवारें खिंच जाएं। यूपी में सत्तापक्ष के नेताओं ने कहा है कि जिन मुसलमानों को रंग से परहेज है, वो होली (धुलेंडी) के दिन होली खेलने के समय घर से बाहर न निकलें। घरों में रहकर ही नमाज अदा करें। यह इसलिए भी है, क्योंकि इस साल होली शुक्रवार के दिन पड़ रही है, जिसे मुसलमान पवित्र दिन मानते हैं और उस दिन नमाज का विशेष महत्व है। ऐसे में प्रशासन और कुछ मुस्लिम संगठनों ने भी होली की जुलूस के समय और मार्ग के हिसाब से दोपहर की नमाज का वक्त बदल दिया है। अगर यह स्वेच्छा से किया गया है तो ठीक है, वरना दबाव में किया जा रहा है तो होली की भावना के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। वैसे नमाज की अपनी पवित्रता है, लेकिन होली के रंग इबादत की पाकीजगी को तो बदरंग नहीं करते। रंग पड़े भी तो केवल कपड़े खराब हो सकते हैं। चेहरा रंगा जा सकता है, ये ऐसा रंग है जो धोने के बाद उतर भी जाता है और अगली होली के लिए फिर नए सिरे दरपेश होता है। ऐसे में कहीं रंग के छींटे लग भी जाएं तो इसमें धर्म भ्रष्ट होने या किसी के अहम पर चोट लगने जैसी कोई बात नहीं हो सकती। भारत में रंगरेजों की एक बड़ी आबादी मुस्लिम ही है। ये वो जाति है, जिसका पेशा ही कपड़ों का रंगना है। यानी जिनकी आजीविका ही रंगों पर चलती है। ऐसे समाज को रंगों से क्यों परहेज होना चाहिए? आपसी झगड़ा न हो, इसके लिए हिंदू अलग होली और मुसलमान अपनी अलग नमाज पढ़ लें, यह कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिहाज से ठीक है, लेकिन सामाजिक सौहार्द्र और होली में सबकी समान भागीदारी के निर्मल आग्रह के अनुकूल नहीं है। क्यों नहीं मुसलमान खुद होकर रंगों के त्यौहार में शामिल नहीं हो सकते? क्योंकि रंग कोई बंदूक की गोली तो नहीं है। इसी तरह हिंदुओं को भी उसी वक्त होली क्यों खेलनी चाहिए, जब मस्जिदों में नमाज पढ़ी जा रही हो। जरा सोचें!

रंगों से रिश्तों में होगी नई ताजगी

नजरिया
नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक स्तंभकार हैं।

रंगों का हमारे जीवन और मनोविज्ञान पर गहरा प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक रंग का अपना अलग महत्व और प्रभाव होता है। लाल रंग प्रेम और ऊर्जा का प्रतीक है, तो पीला रंग सौहार्द्र और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। हरा रंग समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक होता है, जबकि नीला रंग विश्वास और गहराई को दर्शाता है। जब हम होली पर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो यह प्रतीकात्मक रूप से मन के पूर्वाग्रहों को धोने और संबंधों को एक नई दिशा देने का प्रयास होता है। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि जीवन में खुशियों के रंग तभी खिलते हैं जब हम दूसरों के प्रति दयालुता, क्षमा और प्रेम का भाव रखते हैं। होली का त्योहार यह संदेश देता है कि हम अपने मन के अंदर के नकारात्मक विचारों को दूर करके, संबंधों को मधुरता और सौहार्द्र के रंगों से रंग सकते हैं।

रंगों का त्योहार होली भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है, जो न केवल उल्लास और उमंग का प्रतीक है, बल्कि यह जीवन में नवीनता और ताजगी का संदेश भी देता है। यह त्योहार केवल रंग खेलने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे संबंधों में आई दूरियों को मिटाने, कटुता को समाप्त करने और नए सिरे से रिश्तों को संवारने का अवसर भी प्रदान करता है। आधुनिक जीवन की भागदौड़, अहंकार, गलतफहमियाँ और संदेह कई बार हमें अपने प्रियजनों से दूर कर देते हैं, लेकिन होली हमें यह सिखाती है कि प्रेम, अपनापन और क्षमा से हर मनमुटाव का समाधान संभव है। जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तो यह हमें एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता से भर देता है। यह त्योहार हमारे रिश्तों को पुनर्जीवित करने और उनमें नवीनता लाने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

रंगों का हमारे जीवन और मनोविज्ञान पर गहरा प्रभाव पड़ता है। प्रत्येक रंग का अपना अलग महत्व और प्रभाव होता है। लाल रंग प्रेम और ऊर्जा का प्रतीक है, तो पीला रंग सौहार्द्र और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। हरा रंग समृद्धि और नई शुरुआत का प्रतीक होता है, जबकि नीला रंग विश्वास और गहराई को दर्शाता है। जब हम होली पर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो यह प्रतीकात्मक रूप से मन के पूर्वाग्रहों को धोने और संबंधों को एक नई दिशा देने का प्रयास होता है। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि जीवन में खुशियों के रंग तभी खिलते हैं जब हम दूसरों के प्रति दयालुता, क्षमा और प्रेम का भाव रखते हैं। होली का त्योहार यह संदेश देता है कि हम अपने मन के अंदर के नकारात्मक विचारों को दूर करके, संबंधों को मधुरता और सौहार्द के रंगों से रंग सकते हैं।

रिश्तों में खटास आना स्वाभाविक है, लेकिन इसे सुधारने का प्रयास न करना हमारे रिश्तों को और अधिक कमजोर बना देता है। होली का अवसर हमें इन दीवारों को तोड़ने और प्रेम व सौहार्द्र के पुल बनाने का मौका देता है। अहंकार सबसे बड़ा कारण होता है, जो हमें माफी मांगने या क्षमा करने से रोकता है। यह अहंकार धीरे-धीरे संबंधों को इतना कमजोर कर देता है कि लोग एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। होली का संदेश यही है कि हम अपने अहंकार को त्यागकर सबसे प्रेमपूर्वक मिलें। जब हम रंगों में सराबोर होकर अपने प्रियजनों के पास जाते हैं और उन्हें रंग लगाते हैं, तो यह हमारे मन के अंदर की कठोरता और अहंकार को दूर करने का प्रतीक होता है। यह त्योहार हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम अपने पुराने गिले-शिकवे भूलकर, दिल से क्षमा मांग सकते हैं या किसी को माफ कर सकते हैं।

कई बार परिवार के सदस्यों, दोस्तों या जीवनसाथी के बीच संवादहीनता आ जाती है, जिससे गलतफहमियाँ बढ़ जाती हैं। होली का अवसर बातचीत शुरू करने के लिए आदर्श होता है। 'बुरा न मानो होली है' का सिद्धांत अपनाकर हम उन बातों को हल्के-फुल्के अंदाज में साझा कर सकते हैं, जो लंबे समय से हमारे मन में दबी हुई थीं।

एक गुलाल का टीका और प्रेमभरा आलिंगन पुरानी दूरियों को मिटाने में मदद कर सकता है। संवादहीनता अक्सर छोटी-छोटी गलतफहमियों को जन्म देती है, जिससे रिश्तों में दरार आने लगती है। लेकिन होली का पर्व हमें यह सिखाता है कि हम अपने मन की गांठों को खोलें और पुनः संवाद स्थापित करें।

आज की तेज़ी से बदलती दुनिया में पीढ़ियों के बीच वैचारिक अंतर बढ़ता जा रहा है। युवा और बुजुर्ग पीढ़ी के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे हल करने का प्रयास न करना संबंधों को कमजोर बना सकता है। होली एक ऐसा अवसर है जब बुजुर्ग और युवा एक साथ रंगों में सराबोर होते हैं, जिससे औपचारिकता की दीवारें टूट जाती हैं और सहज संवाद संभव हो जाता है। यह त्योहार परिवार में सामंजस्य और आपसी समझ बढ़ाने का माध्यम बन सकता है।

जब परिवार के सभी सदस्य एक साथ बैठकर रंग खेलते हैं, गीत गाते हैं और पारंपरिक भोजन का आनंद लेते हैं, तो इससे पारिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। होली का यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपनी पीढ़ीगत दूरियों को समाप्त करें और आपसी सौहार्द्र बढ़ाएं।

पति-पत्नी का रिश्ता बेहद संवेदनशील होता है। छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव होना स्वाभाविक है, लेकिन इसे समय पर हल न करना रिश्ते को बोझिल बना सकता है। होली का त्योहार दोनों को फिर से करीब आने और अपने प्रेम को नए सिरे से अनुभव करने का मौका देता है। एक-दूसरे को रंग लगाते समय मन के सारे गिले-शिकवे धुल सकते हैं, और संबंधों में नई मिठास आ सकती है। यह त्योहार दांपत्य जीवन में प्रेम, समझ और सामंजस्य को बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। जब पति-पत्नी होली पर एक-दूसरे को रंग लगाकर गिले-शिकवे भुलाते हैं, तो यह उनके रिश्ते को और अधिक मजबूत बना देता है।

कुछ दोस्ती समय के साथ खो जाती हैं या किसी छोटी-सी गलतफहमी के कारण दूरी आ जाती है। होली पर एक रंग भरी पुड़िया या स्नेहभरा संदेश पुराने दोस्तों को फिर से जोड़ सकता है। यह त्योहार हमें मित्रता का नया रंग देने का अवसर प्रदान करता है। मित्रता एक ऐसा रिश्ता होता है, जिसमें कभी-कभी छोटी-छोटी बातों पर मनमुटाव हो जाता है, लेकिन होली का त्योहार हमें यह सिखाता है कि हम अपने अहंकार और पूर्वाग्रह को छोड़कर मित्रता को पुनर्जीवित करें। यह त्योहार हमें यह प्रेरणा देता है कि हम अपने पुराने दोस्तों से फिर से जुड़ें और अपनी दोस्ती में नई ताजगी लाएं।

भारतीय संस्कृति में होली को केवल रंगों का खेल नहीं माना जाता, बल्कि यह सामाजिक समरसता और सौहार्द्र का प्रतीक भी है। यह त्योहार जाति, धर्म, वर्ग और समाज के बंधनों को तोड़कर सभी को समानता के सूत्र में बांधता है। इस दिन राजा-रंक, अमीर-गरीब, ऊँच-नीच सभी भेदभाव भूलकर एक-दूसरे के साथ आनंद मनाते हैं। यही संदेश हमारे व्यक्तिगत रिश्तों पर भी लागू होता है–हम अपने अहं को भूलकर, अपने पूर्वाग्रहों को छोड़कर, प्रेम से मिलें और संबंधों में नवीनता लाएँ। यह त्योहार हमें यह सिखाता है कि हमें अपने मन के अंदर के नकारात्मक विचारों को दूर करके प्रेम, अपनापन और सौहार्द का मार्ग अपनाना चाहिए।

होली के इस पावन पर्व पर हमें अपने रिश्तों को सुधारने और उनमें नई ताजगी लाने के लिए कुछ व्यावहारिक उपाय अपनाने चाहिए। सबसे पहले, हमें माफी माँगने और क्षमा करने की पहल करनी चाहिए। अगर किसी से मनमुटाव हो गया है, तो होली पर पहला कदम उठाने से न हिचकें। यह एक ऐसा दिन है जब गिले-शिकवे आसानी से भुलाए जा सकते हैं। दूसरा, हमें व्यक्तिगत मुलाकात करने का प्रयास करना चाहिए। फोन या संदेश भेजने के बजाय, जिनसे दूरी हो गई है, उनसे मिलकर होली मनाएँ। आमने-सामने मिलने से संवाद अधिक प्रभावी होता है।

तीसरा, परिवार के साथ समय बिताने का प्रयास करें। होली के दौरान परिवार के साथ पारंपरिक खेल, गीत-संगीत और खानपान में भाग लें। इससे संबंधों में घनिष्ठता बढ़ती है। चौथा, उपहार और स्नेह का आदान-प्रदान करें। होली पर उपहारों और मिठाइयों का आदान-प्रदान संबंधों को पुनर्जीवित करने का एक सुंदर तरीका हो सकता है। अंततः, हमें आत्मचिंतन करना चाहिए और यह देखना चाहिए कि किन कारणों से हमारे रिश्ते कमजोर पड़े हैं। स्वयं में बदलाव लाना भी रिश्तों को सुधारने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

होली का पर्व हमें यह सिखाता है कि जीवन में रंग तभी खिलते हैं, जब हम अपने रिश्तों को प्रेम, विश्वास और क्षमा के रंगों से सजाते हैं। यह त्योहार हमें अहंकार छोड़ने, संवाद को पुनर्जीवित करने और रिश्तों को एक नई दिशा देने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है।

रंग के पीछे का रंग देखना ही असली होली है

होली विशेष
डॉ. लोकेन्द्रसिंह कोट
लेखक स्तंभकार हैं।

नीले आकाश का नीला रंग
यह आत्मा का रंग है
ईश्वर है इसमें
अनंत से अनंत का प्रतीक है
मां का रंग भी यही है।
बारिश का रंग है हरा
प्रकृति मुस्कुराती है इसमें
किसान का भी यही रंग है।
पीला तीतली का रंग है
ठिठके से अमलताश का है
पतझड़ की पत्तियों का
ससुराल से विदा होती बेटी का।
प्रेमिका के गालों का रंग है लाल
दहकते अंगारे और टेसू का भी
लाल फूलों से लदे
गुलमोहर से निहारते चाँद का
और पिता के गुस्से का रंग है।
रंग-बिरंगी दुनिया में
धूसर रंग है विरोधाभास का
उठ रहे धुएँ का।
आश्चर्यजनक रूप से
आंसुओं का कोई रंग नहीं है
सही भी है
नहीं तो हमारे तकिए,
हमारी सारी पोल खोल देते।
कई लोग हैं हमारे बीच जो
वर्णांध हैं
उनके लिए सब रंग बेरंग हैं
उथलेए थोथे
डर यही है कि
इनकी संख्या अचानक बढ़ रही है।

रंग की अपनी रंगदारी होती है। रंग भी हमें विविधता देते हैं। रंग से व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति की पहचान होती है। रंग कुछ भी कर लेने के बावजूद हमारे अंतस से जुड़े हैं। रंग हमे माहित कर सकते हैं तो हमें वितृष्णा से भी भर देते हैं। सफेद को जहां शांति तो काले रंग को विरोध, शोक का प्रतीक बनाया गया है। कालांतर में रंग से मजहब भी जुड़ गए। यह रंग का ही वैविध्य है कि वे जीवन की नीरसता को तोड़ते हैं, जीवन के स्वाद को बेस्वाद होने से बचा लेते हैं। हमें रंग भी दिए हैं तो प्रकृति ने। तमाम तरह के रंग-बिरंगे फल-फूल-पौधे, नीला आसमां, बहुरंगी इंद्रधनुष, स्वर्णिम आभा लिए सूरज, विभिन्न रंग लिए पशु-पक्षी। यहीं कहीं से लिया होता है हमने रंग। और इन्ही रंगों को अपने परिधानों पर सजा देते हैं, वंदनवारों, रंगोली, मांडणों में उतार देते हैं। विज्ञान भी दूर नहीं रहा है रंगों से कहता है कि प्रिज्म से गुजरने पर रंग सात हिस्सों में बंट जाता है और यहां तक कहा जाता है कि सौ के आसपास रंग निकलते हैं लेकिन हमारी ऑखें इनमें से सात ही देख पाती हैं। यानि रंगों से परे भी रंग ही हैं। अनेक पशु तो रंग को देख ही नहीं पाते। वे रंगों के प्रति अंधे होते हैं अर्थात् वर्णांध। ये जानवर हैं बिल्ली, कुत्ता, बैल और खरगोश। लेकिन मधुमक्खी, पक्षी, सांप आदि रंगों को देख-पहचान सकते हैं। हमारी आंखों में दो तरह की रंग कोशिकाएं होती है । एक देखने में सहायता करती है, तो दूसरी रंगों को देखने और पहचानने में। यदि किसी व्यक्ति में रंगों को देखने वाली कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो तो वह विभिन्न रंग नहीं देख सकता। वह केवल सफेद और सलेटी जैसे रंग ही देख पायेगा।

प्रकाश और रंगों का गहरा संबंध है जैसे होली और दिवाली का। बगैर प्रकाश के रंगों का कोई अस्तित्व नहीं रहता है। इस जगत में किसी भी चीज में रंग नहीं है। पानी, हवाए अंतरिक्ष और पूरा जगत ही रंगहीन है। यहां तक कि जिन चीजों को आप देखते हैं वे भी रंगहीन हैं। रंग केवल प्रकाश में होता है।

रंग वह नहीं है, जो वो दिखता है, बल्कि वह है जो वो त्यागता है। आप जो भी रंग बिखेरते हैं, वही आपका रंग हो जाएगा। आप जो अपने पास रख लेंगे, वह आपका रंग नहीं होगा। ठीक इसी तरह से जीवन में जो कुछ भी आप देते हैं, वही आपका गुण हो जाता है। अगर आप आनंद देंगे तो लोग कहेंगे कि आप एक आनंदित इंसान हैं। वास्तव में हम बने भी देने के लिए ही हैं। भौतिक स्वरूप में एक व्यक्ति जितना भोजन करता है वही उसका है बाकी सब तो वह सिर्फ दूसरों के लिए ही करता है। कपड़े हम कहने को अपने लिए पहनते हैं लेकिन वे होते दूसरों के लिए हीं। जितने भी जतन हम करते हैं वह या तो परिवार के लिए होता है या फिर समाज के लिए, देश के लिए। पूरी प्रकृति को देखिए न सिर्फ देने के लिए ही बनी है। एक छोटे से अंगूर से लेकर तरबूज तक सभी तरह एवं स्वाद के फल, रंग-बिरंगे हर रंग के फूल, जमीन में एक मुट्ठी दाना डालते हैं और वो हमारे भंडार भर देती है, सूरज हमारी दिन में और चांद और तारे रात में हमारी आरती उतारते हैं, बारिश हमारा चार माह तक अभिषेक करती है। सिर्फ देने का रंग है प्रकृति के पास एक ईश्वर की तरह। ईश्वर भी सिर्फ हमें देने के लिए ही है। हम कैसे भी हों चाहे अच्छे या फिर बुरे वो सबको स्वीकार करते हैं उसी आकाश की तरह जो कभी किसी को नहीं दुत्कारता है। स्वीकारने का रंग भी अपने आप में गजब है।

धर्म में रंगों की मौजूदगी का खास उद्देश्य है। रंगों के विज्ञान को समझ कर ही हमारे ऋषि-मुनियों ने धर्म में रंगों का समावेश किया है। पूजा के स्थान पर रंगोली बनाना कला धर्मिता के साथ रंगों के मनोविज्ञान को भी प्रदर्शित करता है। कुंकुम, हल्दी, अबीर, गुलाल, मेंहदी के रूप में पाँच रंग हर पूजा में शामिल हैं। धर्म ध्वजाओं के रंग, तिलक के रंग, भगवान के वस्त्रों के रंग भी विशिष्ठ रखे जाते हैं। ताकि धर्म-कर्म के समय हम उन रंगों से प्रेरित हो सके और हमारे अंदर उन रंगों के गुण आ सकें। गुण वास्तव में अमूर्त होते हुए भी मूर्त होते हैं इन्हीं रंगों के स्वरूप में। इसलिए रंगों और गुणों से परिपूर्ण हम कोई कृति या व्यकित देखते हैं तो अनायास मुँह से निकलता है, वाह!! यही आल्हाद हमारे जीवन को टांकता है और नए सवेरे के लिए हमें फिर से तैयार कर देता है।

हरेक रंग की अपनी भूमिका है और हर व्यक्ति का अपना रंग होता हैए जो उसकी अपनी पसंद का होता है। यहाँ तक कि रंगों की पसंद के आधार पर आपका चरित्र भी चित्रण करने का विज्ञान है हमारे पास। रंगों से उपचार का जीवविज्ञान भी यूँ ही प्रचलित नहीं है। मनोविज्ञान में रंगों से लेकर रागों तक से उपचार की विधियाँ प्रचलित है। इलाज के लिए अलग-अलग रंगों के पानी की बोतलों का प्रयोग करते हैं, क्योंकि रंगों का आपके ऊपर एक खास किस्म का प्रभाव होता है। दुनिया के इस विशालकाय रंगमंच पर हरेक किरदार अपने रंग के साथ मस्त है। जहाँ संत-सन्यासी गेरुआ या भगवा या सफेद वस्त्र पहने हैं, समाज सेवक भी सफेद पहनते हैं, अभिनेता तमाम रंग-बिरंगे वस्त्र पहन कर नयनाभिराम दिखना चाहते हैं, विद्यालयों, दफ्तरों के अपने अपने रंग के परिधान, पुलिस, सेना के अलग रंगए गांव भर में मनोरंजन करते विदूषक तक का अपना रंग होता है। यह कायनात गुलजार होती है तो सिर्फ रंगों से।

रंग हैं तो उनकी रंगदारी भी होगी और उतनी महीन सी होगी कि वह हमारे इस जीवन का ताना-बाना बुन देगी। इसी बुनावट में जीवन ठहरता है, उसका अस्तित्व निर्माण होता है। इसलिए ही शायद होली जैसा त्यौहार बनाया गया ताकि रंग को भौतिक स्वरूप में भी हम जी सकें।

दीदी हमारी जान है जीजा हमारा महान है

कटाक्ष
जवाहर चौधरी
लेखक व्यंग्यकार हैं।

देखिये भइया मैं आप लोगों को पहले बता दूँ कि सरकार ने जो वादा किया है वह झूठा है। ये सिर्फ जुमला है कि होली पर महिलाओं को ढ़ाई बाल्टी जेनरिक रंग मिलेगा। होली के दूसरे दिन ये 'बुरा न मानो होली है' कहते हुए निकल लेंगे। बाद में इनका बयान आएगा कि कीचड़ से होली खेलना हमारी परम्परा है। लोग कीचड़ से नहीं खेले तो इसके लिए पूर्व प्राधनमंत्री जिम्मेदार हैं। उन्होंने हमारी महान परंपराओं के साथ खिलवाड़ किया और उसे नष्ट किया। लेकिन मैं जानता हूँ, मुझे पता है कि ढ़ाई बाल्टी रंग दे भी देते तो इतने में हमारी कोई लाड़ली बहन होली खेल नहीं सकती है। इतने में तो महिलाएं अपने पति को भी रंग नहीं पाएंगी। आपको बात दूँ कि इनके राज में देवर और नन्दोई सूखे रह जाने वाले हैं। रंग की छोड़िये इनके पास तो पानी भी नहीं है। नदियों में गन्दा झाग वाला पानी है। उससे भला कौन होली खेल सकता है! इनके लोग समझा रहे हैं कि होली पर तो गन्दा पानी भी चलता है अगर दूसरों पर डालना हों तो दिक्क़त क्या है। राजनीति में देखिये, जितना कीचड़ पड़ता है नेता उतना मजबूत होता जाता है। चमड़ी मोटी होना चाहिए। होली एक अवसर है कि पार्टी समर्थक और आम जनता अपनी चमड़ी मोटी कर ले। ताकि विपक्ष कुछ कहे तो उसका असर नहीं हो। लेकिन आप लोग इनकी बातों में मत आइएगा । मैं आपको बता दूँ कि इनके गंदे रंग से चर्म रोग हों सकता है। ये चाहते हैं कि विपक्षी पार्टियाँ होली के बाद एक दूसरे की खाज खुजाते रहें!! इनसे शिकायत करेंगे तो कहेंगे कि 'गठबंधन में हो, खुजाते रहो'। हम क्या होली के बाद पूरा देश एक दूसरे को खुजाता रहेगा । क्या यह अच्छी बात है। नंदोई खुजाए तो चलो कोई बात नहीं, लोगों को मजा आएगा। होली तो है ही जीजा और फूफा के कुटावड़े करने का त्यौहार। लेकिन हमारी पार्टी जीजाओं और फूफाओं की रक्षा करेगी। आप तो हमारे विचारों को जानते हैं। दीदी हमारी जान है जीजा हमारा महान है। जनता ने भले ही हमें वोट कम दिए हो लेकिन उनकी सहानुभूति हमारे साथ पूरी पूरी है।

मुझे पता चला है कि हमारी पार्टी के कुछ लोग सरकार के साथ होली खेलने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार के लोगों ने साफ पानी के कुछ टैंकर इन लोगों को मुहैया करा देने का भरोसा दिया है। यह भी जानकारी मिली है कि रंगों का बड़ा सा पैकेज देने का वादा भी किया गया है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि यह सरकार की एक तरफा होली है। यह लोग सरकार के किसी आदमी पर रंग नहीं डाल सकते हैं। अगर इन्हें लगता है कि रंग डलवाना ही होली खेलना है तो दुनिया की नजरों में मूर्ख कहलाएंगे। उन्हें सावधान रहना चाहिए और ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए कि वे कीचड़ में इतना ज्यादा सन जाएं कि किसी को मुंह दिखाने के काबिल ना रहें । बावजूद इसके अगर ऐसा हुआ तो हमको कुछ करना पड़ेगा। हम उन्हें निकाल बाहर करेंगे और कभी वापस नहीं लेंगे।

देखिए मैं व्हाइट शर्ट पहना हूं, टी-शर्ट। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि हमारी पार्टी के साथ आप रंग खेलिये, मुझ पर रंग डालिए। मैं तैयार हूँ, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा । लेकिन जो लोग कपड़ों को जान समझते हैं वो एक छींटा भी बरदाश्त नहीं करेंगे। मेरी साफ सुथरी टी शर्ट निमंत्रण है होली खेलने का। हम यह नहीं कहेंगे कि कौन से रंग से आपको होली खेलना है। आप हरे रंग से भी खेल सकते हो। हम कहते हैं होली देश का त्यौहार है किसी एक धर्म वालों का नहीं। हमारे साथ होली खेलोगे तो गिले शिकवे दूर होंगे। छोटे-बड़े, जाति-धरम सब एक होंगे। नया पुराना कहा सुना माफ होगा। नेताओं और जनता के बीच प्रेम बढ़ेगा। पार्टी को और देश को ताकत मिलेगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

होली पर रंगों में मित्र की डुबकी...

व्यंग्य
भूपेन्द्र भारतीय
लेखक व्यंग्यकार हैं।

एक बार फिर हवाओं में होली के रंग घुलने लगे हैं। इधर वर्षभर चलने वाले रंग कभी सत्ता के रंग तो कभी राजनीति के, रंग अपने अपने धंधे के, इस मौसम में सबका मन होता है कि इन रंगों से अलग हटकर कुछ नया हो जाए, इसलिए होली पर कुछ अलग रंगों का स्वाद लिया जाता है ! रंगों के इस मिश्रण का अपना अनुठा आनंद है। होली हे ही इतना सुंदर त्यौहार। हर किसी को रंगरेज करके छोड़ती है। इस माहौल में कोई अपना अलग रंग नहीं दिखा सकता है। सबको सबके रंग में रंगाना पड़ता है, जिससे कि वर्ष में सब एक बार अपना अपना असली रंग छुपा सके। जिस तरह नेताओं का वर्ष भर रंग अलग ही होता है। उसी तरह नौकरशाहों का अलग, पति का अलग, तो पत्नी के रंग की बात करना युद्ध को आमंत्रण देना है। वहीं साहित्यकारों के अपने हजार रंग। उसी तरह बाकी रंगीलो के भी अलग ही रंग होते हैं लेकिन होली के समय सब थोड़ा थोड़ा अपना मूल रंग बदलना चाहते हैं। जिससे कि हर कोई रंगों के महाकुंभ में एक बार डुबकी लगा सके और वर्ष भर किये पापों को होली के रंगों से धो दें। आखिर हर किसी के पाप के भी तो अपने अपने रंग होते है जो होली के रंगों में ही धुलते है।

इधर देखने में आया है कि मेरी गरीबी के मित्र भी इस अवसर का वर्षभर इंतजार करते हैं। जैसे ही होली का रंग हवाओं में चढ़ना शुरू होता है वे अपने पापों का हिसाब लगाने बैठ जाते हैं। शिवरात्रि से लेकर रंगपंचमी तक प्रति शाम पापों का हिसाब लगाया जाता है। सुबह अलग रंग, तो शाम को अलग। शुरुआत भोले बाबा के प्रसाद से पापों के हिसाब की जड़ में जाने का प्रयास किया जाता है। बाबा के नाम पर ठंडाई के सेवन के माध्यम से दुनियादारी को छोड़कर परमचेतना को प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। इस क्रिया में उसे लगता है कि मन व तन एकाकार होकर पापी दुनिया से ऊपर उठ जाता है। कोई पाप व उसका प्रभाव उसे नहीं छू पाता है। यह डुबकी निराली होती है। अमृततुल्य मानी जाती है। वह मुझे भी निमंत्रण देता है लेकिन मैं अपने रंगों में ही संतोष का अनुभव करता हूँ और इन दिनों उससे समान दूरी बनाकर बचकर रहना पड़ता है।

रंगों के इस महामेले में मेरा मित्र दो तीन दिन जबरदस्त बाबा के रंगों में डुबकी लगाता है। इसे वह कभी भक्ति रंग से संबोधित करता है तो कभी उस मस्ती रंग में रंगीन होता है। यहां से डुबकी लगाने का महौल बनने शुरू होता है तो फिर रंगों के सबसे बड़े त्यौहार होली तक विभिन्न रंगों में डुबकी लगाई जाती है।

मित्र की रंगों में डुबकी लंबे समय तक चलती है। ऐसे में कोई कैसे पीछे रहे। उसी तरह सब अपने अपने रंग केंचुली की तरह उतारते चलते हैं। और नये नये रंगों में डुबकी लगाने का सिलसिला शुरू हो जाता है। सरकारें सरकारी विज्ञापनों के माध्यम से वर्षभर का रंग बदलती है और फिर नये रंग में आ जाती है। बाबू लोग अपने साहबों को नये रंगों के लिफाफे देकर अपने पाप धोते है। सरकारों के मंत्री पार्टी फंड में नये रंग चढ़ाते हैं। विश्वविद्यालयों में सालभर भटकते शोधार्थी अपने अपने गाईड को रंगों का टीका लगाते हैं व एक वर्ष शोध में ओर बढ़ जाने के लिए अपने को फिर शोधार्थी के रंग मे रंग लेते हैं। ऐसे में मेरे जैसे साहित्यकार भी कहाँ पीछे रहते हैं, वे भी नये रंग की साहित्यिक होली व वासंती रचना में अपने बौद्धिक बल समेत डुबकी लगाता रहता हैं।

मेरा मित्र इस परिस्थिति में रंगों की इन डुबकीयों पर चिंतन करता है। जिस तरह आलोचक चिंतन करते हैं और आगे उन्हें शोध पीठों का मठाधीश बना दिया जाता है। मित्र भी रंगों के माध्यम से अपने क्षेत्र का मठाधीश बनना चाहता है। पर अब तक उसके हाथ सही रंग नहीं लगा है। लेकिन रंगों के इस सीजन में डुबकी लगाने का उसका प्रयास निरंतर चलता रहता है। कभी वह वाट्सएप के माध्यम से रंगों की डुबकी लगाता है तो कभी रंगारंग रील बनाकर वह अपने पाप मिटाना चाहता है !

हम सब जानते हैं, होली है तो समरसता का त्यौहार। लेकिन कितने लोग इसके सही उद्देश्य तक पहुंच पाते हैं ! सब अपने अपने रंग में डुबे रहते हैं और दूसरे को भी अपने ही रंग में डुबोना व रंगना चाहते हैं। मेरा पराक्रमी मित्र भी अपने ही रंगों की दुनिया में इस समय में रंगरेज बना घूमता रहता है। कभी फेसबुक पर रंगों की डुबकी लगाता है तो कभी मंच-माईक-माला के प्रबंधन से अतिथि रूपी रंग में डुबकी का आनंद लेता है। उसकी होली सिर्फ उसके ही रंगों की होली होती है। जिसमें उसकी निरंतर डुबकीयाँ चलती रहती है। जैसे सरकारी व्यवस्था के रंगों की अपनी होली होती है जो हमेशा से सत्ता के निराले रंगों में ही रंगी रहना चाहती हैं।

बृज की होली प्रेम की प्रतीक

होली विशेष

डॉ. भूपेन्द्र कुमार

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

हर वर्ष रंगों का त्योहार होली सभी के लिए खुशियां और एकता लेकर आता है। वसंत में मनाया जाने वाला यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है. लोग एक-दूसरे पर रंग-बिरंगे रंग फेंकते हैं, उत्सवी संगीत पर नाचते हैं और स्वादिष्ट मिठाइयों का आनंद लेते हैं। यह ऐसा समय है जब बाधाएं मिट जाती हैं। दोस्त और अजनबी सभी प्यार और जश्न की भावना में एक साथ आते हैं। चंचल रंग जीवन की विविधता का प्रतीक हैं जो हमें मतभेदों को गले लगाने और खुशियां बांटने की याद दिलाते हैं। होली सिर्फ एक त्योहार नहीं है बल्कि यह याद दिलाता है कि खुशी, दयालुता और एकजुटता ही जीवन के सच्चे रंग हैं। 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली, रंग बरसे' यह एक ऐसा गीत है जो हर किसी को होली की याद दिलाता है, हंसी, रंगों और जश्न से भरी सड़कों की यादें वापस लाता है।

यह सदाबहार बॉलीवुड गीत त्यौहार का साउंडट्रैक बन गया है, जो इसकी चंचलता और खुशी को दर्शाता है। चाहे वह अमिताभ बच्चन की गहरी आवाज हो या रणबीर कपूर की युवा ऊर्जा, सिनेमा ने लंबे समय से इसका जश्न मनाया है।

होली के नज़दीक आते ही सड़कें संगीत, हंसी-मज़ाक से भर जाती हैं और रंगों का दंगल शुरू हो जाता है। होली मौज-मस्ती का समय है। लोग एक साथ आते हैं, एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, नाचते हैं और एक दिन के लिए अपनी सारी चिंताओं को एक तरफ़ रख देते हैं। 'बुरा न मानो, होली है!' यह गान बन जाता है, जो सभी को मौज-मस्ती में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता है।

उत्सवों से परे, होली का गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, होली की पूर्व संध्या पर होलिका दहन इस जीत का प्रतीक है। यह त्योहार वसंत के आगमन का भी प्रतीक है, जो नवीनीकरण और आनंद का समय है। वैसे तो होली पूरे भारत में अलग-अलग तरीकों से मनाई जाती है, लेकिन ब्रज की परंपराएँ, खासकर मथुरा, वृंदावन, बरसाना और नंदगाँव में, सबसे जीवंत और अनोखी हैं।

लट्ठमार होली

उत्तर प्रदेश के दो गाँवों बरसाना और नंदगाँव की होली किसी और जगह से अलग होती है। यहाँ, यह त्यौहार एक अनोखा और चंचल रूप धारण कर लेता है जिसे लट्ठमार होली के नाम से जाना जाता है, जहाँ महिलाएँ पुरुषों को लाठी से दौड़ाती हैं जबकि पुरुष ढाल से खुद को बचाते हैं। यह एक ऐसा तमाशा है जो हर साल हज़ारों दर्शकों को अपनी ओर खींचता है, जो परंपरा को उत्सव के साथ इस तरह से जोड़ता है कि यह ऊर्जावान और स्थानीय संस्कृति में गहराई से निहित है। अदभुत दृश्य देखकर प्रतीत होता है दूसरी दुनिया में कदम रख रहे हों। 'महिलाएं हाथों में लाठियां लेकर तैयार खड़ी थीं, उनके चेहरे उत्साह से भरे हुए थे। नंदगांव के पुरुष हंसते-हंसते और चिढ़ाते हुए, स्वेच्छा से इस चंचल युद्ध में शामिल हो गए। यह आक्रामकता नहीं थी, यह शुद्ध आनंद रहता है।'

ढोल की आवाज़ हवा में गूंजती है और रंग हर दिशा में उड़ रहा है। 'यह ऊर्जा अवास्तविक थी। वहां पर शामिल पुरुष अपनी ढाल उठाई और महिलाओं के आने से डरने का नाटक करते और सभी जोर से हंसने लगे। यह एक ऐसी अद्भुत होली है जो पहले कभी नहीं देखी जा सकती है'।

होली के मुख्य उत्सव से एक सप्ताह पहले, नंदगांव के पुरुष बरसाना आते हैं। जैसे ही वे गांव में प्रवेश करते हैं, उनका स्वागत रंगों, चिढ़ाने और सबसे मशहूर, डंडों से किया जाता है। बरसाना की महिलाएँ पारंपरिक पोशाक पहनकर, हाथों में लाठियाँ लेकर उनका इंतज़ार करती हैं, और उन्हें एक मज़ेदार नकली युद्ध में भगाने के लिए तैयार रहती हैं। ढालों से लैस पुरुष, वार से बचने की कोशिश करते हैं, लेकिन कई लोग स्वेच्छा से आत्मसमर्पण कर देते हैं, हँसते हैं और त्योहार की भावना को अपनाते हैं। बरसाना की महिलाएँ नंदगाँव जाती हैं, जहाँ पुरुषों के घर पर उत्सव जारी रहता है। पूरे कार्यक्रम में पारंपरिक लोकगीत और ढोल की थाप के साथ 'श्री राधे!' और 'जय कान्हा!' के नारे गूंजते हैं।

हालांकि बाहरी लोगों को यह बहुत ही उग्र लग सकता है, लेकिन लट्ठमार होली पूरी तरह से मौज-मस्ती के लिए होती है, यह एक वास्तविक लड़ाई के बजाय एक प्रतीकात्मक आदान-प्रदान है। यह उस जोशीले चंचलपन का प्रतिनिधित्व करता है जो इस क्षेत्र में होली को परिभाषित करता है, जहां खुशी, संगीत और समुदाय किसी अन्य त्योहार से अलग एक साथ आते हैं।

वृंदावन में होली

बरसाना और नंदगांव से कुछ ही दूरी पर वृंदावन में होली का सबसे शानदार नज़ारा देखने को मिलता है। यहाँ होली भक्ति की अभिव्यक्ति है। बांके बिहारी मंदिर में, उत्सव कई दिन पहले ही शुरू हो जाता है, पुजारी और भक्त एक दूसरे पर गुलाल और फूलों की पंखुड़ियाँ बरसाते हैं। जीवंत लट्ठमार होली के विपरीत, यहाँ का माहौल ज़्यादा भक्तिमय होता है। मंदिर के दरवाज़े खुलते हैं और कृष्ण के देवता को भक्तों के करीब लाया जाता है, मानो वे उत्सव में भाग ले रहे हों। तीर्थयात्री भजन गाते हैं, खुशी में नाचते हैं और खुद को एक ऐसी होली में डुबो लेते हैं जो गहरी आध्यात्मिकता से भरपूर होती है।

वृन्दावन की होली 'यह रंगों के बारे में था, यह एक आशीर्वाद की तरह महसूस होता है।' 'मंदिर खचाखच भरा हुआ था, लेकिन सद्भाव की एक सुंदर भावना थी। जब ऊपर से पंखुड़ियाँ गिरने लगीं, तो यह लगभग अवास्तविक था। मेरे आस-पास के सभी लोग अपने हाथ ऊपर उठाए, गा रहे थे, पूरी तरह से उस पल में खो गए। यह होली थी, लेकिन सबसे शुद्ध, सबसे शांतिपूर्ण रूप में।' स्थानीय लोग और आगंतुक खुद को एक ऐसी परंपरा में डुबो देते हैं जो पीढ़ियों से चली आ रही है। वृंदावन की होली का सबसे मनमोहक पहलू है फूलों की होली, यानी फूलों की होली, जिसमें रंगीन पाउडर की जगह सुगंधित फूलों की पंखुड़ियाँ हवा में भर जाती हैं। मंदिर परिसर में बरसती हुई हज़ारों पंखुड़ियों का नज़ारा बेहद मनमोहक होता है, जो बाहर होने वाले ज़्यादा शोरगुल वाले उत्सवों से बिल्कुल अलग होता है।

एक ऐसा त्यौहार जो लोगों को एक साथ लाता है होली रंगों का त्योहार है, यह एकता का त्योहार है। चाहे वह लट्ठमार होली का खेल हो, वृंदावन में भक्ति उत्सव हो या आधुनिक शहर भर में होने वाला उत्सव, होली सभी बाधाओं को तोड़ देती है। एक दिन के लिए मतभेद मिट जाते हैं और लोग हंसी-मजाक और जश्न में एक साथ आ जाते हैं। मतभेदों से अक्सर विभाजित दुनिया में, होली साझा खुशी और एकजुटता की याद दिलाती है। किसी पर रंग लगाने का कार्य एक चंचल इशारा है; यह एक स्वीकृति है, एकता का क्षण है। अजनबी दोस्त बन जाते हैं, पुरानी शिकायतें दूर हो जाती हैं और उन कुछ घंटों के लिए, जीवन अपने सबसे लापरवाह और आनंदमय रूप में जीया जाता है।

तो, जैसे-जैसे होली नजदीक आ रही है, चाहे आप बरसाना में लाठियों के साथ जश्न मनाएं, वृंदावन में भजनों के साथ या अपने शहर में बॉलीवुड की धुनों के साथ, त्योहार की भावना को अपने ऊपर हावी होने दें। खुलकर नाचें, बिना रोक-टोक के हंसें और होली के रंगों को खुले दिल से गले लगाएं।

बेरंग

लघुकथा

सुरेश सौरभ

होली एक समरसता का त्योहार है। प्रेम और धार्मिक सौहार्द्र को यह त्योहार बढ़ाता है।

''मम्मी! ओ मम्मी! आगे क्या लिखूँ? कुछ समझ में नहीं आ रहा है?''अपनी नोटबुक पर निबंध लिखते हुए विवेक अधीरता से बोला, ''आज ही यह होली पर निबंध पूरा करके ऑनलाइन एक कम्पीटीशन में भेजना हैज'' -पाँचवी कक्षा में पढ़ने वाला विवेक, अपनी माँ से जिद करके पूछ रहा था।

अपने काम में लगी माँ से, जब यह सवाल विवेक ने किया, तो उसको जैसे शॉक सा लगा। बदरंग यादों के दरीचे पर्त-दर-पर्त खुलते चले गये।

तब उसकी शादी का वह चौथा साल लगा था। उस दिन, होली का दिन था। पति कहीं काम से गए थे। सास भी कहीं गईं थीं। दो साल का विवेक अपने खेल में मस्त था। घर के काम में वह व्यस्त थी, तभी घर की कुंडी बजी। खिड़की से झाँका तो रंग गुलाल से सराबोर उसके दूर के, रिश्ते के तीन देवर नमूदार हुए, 'हा.. हा.. हा.. भाभी दरवाजा खोलो–'

अनुनय-विनय शुरू की, 'नहीं नहीं तुम्हारे भैया नहीं हैं? फिर आना कभी?'

'अरे! अरे! आप तो खामखा नाराज हो रहीं हैं। होली है, इतनी दूर से आएँ हैं हम। भला आप के पैर छूए बगैर कैसे चले जाएँगे।'

'नहीं नहीं फिर आना कभी? घर में अभी कोई नहीं है।'

'आप की कसम रंग बिलकुल नहीं लगाएँगे हम..' -बच्चों सा गिड़गिड़ाने लगे वे।

स्त्री हृदय पिघल गया। दरवाजा खोला, चट-पट हुरियारे अंदर आ गए। हा हा हा...

'नहीं नहीं, देखो मैंने पहले मना किया था, रंग न लगाना, देखो रंग न लगाना,बाकी सब ठीक है.. हमसे बुरा कोई न होगा..'

झीनाझपटी-धींगामुश्ती शुरू हुई.. फिर एक ने दोनों हाथ पकड़े, एक ने पैर, गिरा दिया एक कमजोर चिड़िया को। फिर फिर रंग रंग रंग..। वह गिड़गिड़ाती रही, तड़पती रही, पैर छूने वाले, आशीर्वाद माँगने वाले, देवर अपनी भाभी के जिस्म के हर हिस्से पर।

'होली..होली...है'

''मम्मी! ओ मम्मी! कसके विवेक ने झिंझोड़ा तो उसकी तंद्रा भंग हुई। यादों की गहरी चुभन टीस लिये वह बोली-लिखो इस समरता के त्योहार को कुछ लुच्चे -लफंगे गंदा कर देते हैं। कुछ आवारा शोहदों ने इसे बिल्कुल घिनौना बना दिया हैज्इसलिए महिलाओं को होली में हुड़दंगियों से बचना चाहिए.. विवेक निबंध पूरा करते हुए एक बारगी कनखियों से माँ को देखा। उनकी आँखों में जल की एक महीन रेखा न जाने क्यों उभरती चली आ रही थी, जिसे वह समझ पाने में अक्षम था।

होली पर 'मसाला डोसा सरकार' पकाने की विधि

वक्रोक्ति

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

सबसे पहले देश ही जनता को टुकड़ों में बॉट लें। हिन्दू, मुसलमान, दलित, आदिवासी और पिछड़ी जनता के नाम पर उसके पांच टुकड़े तो कर ही लें। चाहें तो उनकी अलग-अलग ढेरियॉ बना लें, जैसे सब्जियों का थोक व्यापार करने वाले व्यापारी सब्जी मण्डी में आलू, प्याज, टमाटर, भिण्डी और बैंगन की ढेरियॉ लगाते हैं। वे आलू को प्याज में और प्याज को टमाटर में कभी लुढ़कने नहीं देते।

सब्जियॉ भले ही अलग-अलग भाव पर तौली जाती हों पर वे सांभर में उसी तरह हिल-मिल जाती हैं जैसे चुनाव जीतने के बाद हर जात-बिरादरी के फुटकर नेता। वे सत्ता की गली हुई दाल के सांभर रूपी स्वीमिंगपूल में तैरने लगते हैं और जनता ऐसे सूखने लगती है जैसे मैथी की भाजी। इसीलिए चुनाव के समय जनता को थोड़ी गीली रखें। उसे अपने संप्रदाय का भजन सुनाकर उस पर झूठी आशाओं का पानी ज़रूर छिड़कते रहें। मुफ़्त के वादों की ठण्डी हवा का पंखा भी झलते रहें।

अपनी इच्छा के अनुसार टुकड़ों में बॅटी हुई जनता से वोट झटक लेने के बाद आप अपने मन की मसाला डोसा सरकार और सांभर पकाने के लिए स्वतंत्र हो सकते हैं। सत्ता का सांभर पकाने के लिए खजाना खाली होने की हद तक आपके कामन मिनिमम प्रोग्राम का यूनाइटेड प्रेशर कुकर बढ़िया होना चाहिए।

चुनाव जीतते ही गठबंधन के तवे पर स्वार्थी एकजुटता के चुल्लू भर पानी का जोरदार किंचा मारिए और अपनी-अपनी खाली कटोरी के पेंदे से एक ऐसा गरमागरम संसदीय दल का नेता पूरे तवे पर फैलाइए जो सारे उबले हुए आलुओं और तली हुई प्याज को अपनी आगोश में ले सके। सबकी खाली कटोरी नारियल की चटनी से भर सके। मसाला डोसा सरकार में अल्पसंख्यक काजू और महिला आरक्षण की किशमिश भी दिखना चाहिए। उसमें किसा हुआ निर्दलीय नारियल भी ज़रूर होना चाहिए।

तो लीजिए बन गयी... मसाला डोसा सरकार। अब उसकी रूमाल की तरह तहें बना लें और उसके चारों तरफ़ बैठकर उसे उसी तरह खायें जैसे मंत्रिमण्डल की बैठक में तले हुए काजू पर टूट पड़ते हैं। कभी-कभार अंदाज ठीक न रहने से सब्जियॉ ज़्यादा कट जाती हैं और वे सत्ता के सांभर में तैरने की आस लगाये रहती हैं। उनकी इच्छा होती है कि वे सत्ता का सलाद ही बन जायें। आप चाहें तो बची हुई सब्जियों के पकौड़े तलकर टूटी-बिखरी जनता को भी परोस सकते हैं।

सांभर एक ऐसा व्यंजन है जिसमें तैरती भांति-भांति की सब्जियॉ दलीय एकता के भ्रम में डाले रहती हैं। मसाला डोसा सरकार की बगल में कटोरी में भरा हुआ सांभर ऐसा दिखता है जैसे कोई मंत्री मण्डल हो। सत्ता की गली हुई दाल में ऊपर तैरती कमल ककड़ी का स्वाद अब हर दल जान गया है। अगर राजनीतिक मौसम के अनुरूप सभी सब्जियों का गठबंधन न हो पाये तो बैंगन की छत्रछाया में अकेली पड़ गयी लौकी सत्ता के सांभर के स्वीमिंगपूल में तैरने को विवश होती है।

आप एक बार में खूब सारा सांभर पका लें जिसमें डुबाकर पूरे पॉच साल सरकार मसाला डोसा खाया जा सके। मजे से पकाइए। सत्ता तो वातानुकूलित होती है। वहॉ तो सड़े हुए को भी सुरक्षित रखा जा सकता है। सरकार मसाला डोसा पकाने के लिए जनता को टुकड़ों में बॉटे रहिए और मुनगा की कौंस जैसी दिखती विपक्षी एकता के रोज़ रेशे उतारते रहिए। उसके टुकड़े करके सत्ता के सांभर में उसे भी तैरने का निमंत्रण देते रहिए।

सत्ता के सांभर को गर्म बनाये रखिए पर उसमें कोई उबाल मत उठने दीजिए। सांभर पकाने की विधि पर कोई सवाल मत उठने दीजिए।

फागुन गीत

मांडवी सिंह, भोपाल

जो मन्मथ बना कंत घूमे गली में,
तो बासंती कब तक मगन मन छुपाए,
कहो फिर कहां तक उषा चुप हो बैठे?
अगर साज संग फाग अरमां जगाए।

ढली सांझ पत्तों में कानाफूसी है
सुगंधित मलय में मची खलबली है
उषा ने सीलाई है सिंदूरी चोली
चटख लाल माथे पर रंग ली है रोली
कहो फिर कहां तक गगन चुप हो बैठे?
जो धरती भी नव – रूप – यौवन दिखाए।

कँवल मुस्कुराने लगे हैं सरों में
नवरस की चर्चा चली है घरों में
उल्लासों उमंगों की रंगीन टोली
अमलतास टेसू ने खेली है होली
कहो फिर कहां तक प्रणय चुप हो बैठे?
जो मधुमास भी प्रेम पाती पीठाए।

मदहोश महुआ गमकता है आया
नव तरु की नयनों में नेह अँखुआया
अभिसार के राज कोयल ने खोली
शुक सारिका की खनकती है बोली
कहो फिर कहां तक चमन चुप हो बैठे?
जो फागुन वसंत संग जोड़ी सजाए।

सेहत

डॉ. बीएल मिश्रा
सेवानिवृत्त क्षेत्रीय संचालक
स्वास्थ्य सेवाएं, रीवा

होली व हमारा स्वास्थ्य

होली विश्व के हिंदुओं का एक प्रमुख, प्राचीन व प्रसिद्ध त्यौहार है जो भारत और नेपाल सहित विश्व के अनेकों देशों पाकिस्तान,बंग्लादेश, इंडोनेशिया, इटली,जापान, अमेरिका, श्रीलंका व मारिशस में बसंत ऋतु में अनुमानित एक अरब लोगों द्वारा यह रंगों का त्यौहार मनाया जाता है। यह पवित्र त्यौहार आपसी प्रेम, दोस्ती व भाईचारा के लिए मनाया जाता है जिसमें लोग जाति धर्म से ऊपर उठकर एक दूसरे को रंगों से सराबोर करते हैं। होली समाज में एकता व प्यार का संदेश लाता है। होली वैदिक पंचांग अनुसार फाल्गुन मास में पूर्णिमा को धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिवस से एक दिन पूर्व यानी चतुर्दशी को होलिका दहन पर्व को बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है। इस त्यौहार में लोग घर-घर जाकर एक दूसरे से मिलते हैं व गुलाल लगाकर शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं। गांव के लोग एकत्र होकर फाग गाते हैं व विभिन्न प्रकार की मिठाइयां विशेष रूप से गुझिया खाकर आनंदित होते हैं। हम सभी को अपने ईष्ट देवता व अग्नि देवता का पूजन करना चाहिए।

हमें होली अपनों के साथ स्वस्थ पर्यावरण को ध्यान में रखकर 'हरित होली - स्वस्थ होली' मनाना चाहिए। इस प्यार व खुशियों के पर्व में हमें मानसिक शांति मिलती है व हम तनाव मुक्त रहते हैं। होलिका दहन का ताप पर्यावरण को स्वस्थ रखता है। हम सबको हर्बल व ऑर्गेनिक गुलाल का उपयोग करना चाहिए। गुणवत्ता विहीन व केमिकल मिश्रित गुलाल व अन्य पदार्थों से तथा मिलावटी मिठाइयों के सेवन से त्वचा, आंखों में जलन, एलर्जी, सांस लेने में दिक्कत, गला, किडनी, लीवर, आंत को प्रभावित होने की संभावना हो सकती है। अपने व समाज की खुशहाली के लिए होलिका दहन के दौरान हरे पेड़ न काटें। पीपल,बरगद, आम की लकड़ी का उपयोग न करें, शराब, मांस, भांग का उपयोग न करें,जल बर्बाद न करें,आंख व त्वचा की सुरक्षा हेतु चश्मा का उपयोग करें, व मॉइश्चराइजर शरीर में लगाए, यथा संभवकार व दो पहिया वाहन का कम से कम उपयोग हो, बच्चों के विभिन्न हरकतों पर बुजुर्ग निगरानी रखें, ज्यादा पानी पिए, संतुलित भोजन करें, घी तेल से बने व्यंजन से बचें। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हृदय रोगी दवा लेना न भूलें व चिकित्सकीय परामर्श अनुसार भोजन करें, त्यौहार के दौरान मावा व दूध उत्पाद की ज्यादा मांग होने से जिला प्रशासन को मिलावटखोरी रोकने हेतु सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। किसी प्रकार की स्वास्थ्य समस्या हो तो तत्काल स्वास्थ्य केंद्र में जांच करायें।

होली की मिठास से भरा-पूरा है इतिहास

होली के रंग

सुसंस्कृति परिहार

लेखक स्तंभकार हैं।

हमारी सांस्कृतिक धरोहरों में ,होली ने साझी खुशी, दिल्लगी और आपसी सौहार्द्र का जो रंग प्राचीन साहित्य के इतिहास में मिलता है, उसका स्वरूप इतना अपनापन और मिठास लिए हुए हैं कि आज भले ही फगुआ हवाएं अनचीन्ही हो गई हों, आम के बौर अपनी वास्तविक खुशबू खोते जा रहे हों, अबीर और टेसू के रंग फीके और बाजार की दहलीज पर बलि चढ़ गए हों मगर जैसे ही हम पुराने कवियों की फगुवाई भरी रचनाओं से गुजरते हैं, तो सच मानिए पूरा फागुन अपने असली रूप में हमें टेरने लगता है फिर वहां भारतेंदु हरिश्चंद्र हों,नज़ीर बनारसी हों, रसखान हों, पद्माकर हों, चाहे घनानंद या हसरत मोहानी हों और चाहे मीर शेर अली हों।

फागुन में हमें बहका देते हैं। नज़ीर बनारसी और नज़ीर अकबराबादी तो मदमस्त ही कर देते हैं। आप चाहे कितनी मायूसी ओढ़े हों, बच ही नहीं सकते।

आइए,जनाब नज़ीर बनारसी के पास चलें क्या कहते हैं- अजी कहते हैं क्या - वे होली के दिन पूरे रंगत में रंगकर गा उठते हैं--

अगर आज भी बोली ठोली ना होगी
तो होली भी ठिकाने की ना होगी
बड़ी गालियां देगा फागुन का मौसम
अगर आज ठट्ठा ठिठोली ना होगी ।
है होली का दिन कम से कम दोपहर तक
किसी की ठिकाने की बोली ना होगी
उसी जेब में होगी फितने की पुड़िया
जरा फिर टटोलो टटोली ना होगी ।

हमें तो ऐसा लगता है नज़ीर बनारसी यहीं अपने शहर में होली की हुड़दंग में शामिल हैं।उन्हें तो यह भी पता है कि असली हुरियारा रंग दोपहर तक ही है।

उधर पद्माकर जी ने कृष्ण जी और राधा जी की होली का चित्र खींचा है ,किस रस की श्रेणी में है ये तो आलोचक जाने आप तो सिर्फ रंग देखें--

फाग की भीर अबीरनि ज्यों
गहि गोविंद ले गई भीतर गोरी
माय करी मन की पद्माकर
ऊपर नाए अबीर की झोरी ।
छीन पितांबर कम्मर ते सो
बिदा दई मीड़ कपोलन रोरी
नैन नचाए कटि मुस्काय
लला फिर अईयो खेलन होरी ।

कवि घनानंद होली में हमें ऐसा रंगते हैं कि सारे नृत्य नवोढ़ा दंपति के होरियाना मूड को दर्शा कर उस का सजीव चित्रण करते हुए गुलाल की शोभा का अप्रतिम वर्णन करते हैं--

प्रिय देह अछेह भरि दुति देह
दियै तरुणाई के तेहं तुली
अति की गति धीर समीर
लगै मृदु हेमलता जिमि जाति डुली
घन आनंद खेल उलैल दते
बिल सै खुल सै लट झूमि झुली
सुढ़ि सुंदर भाल पै भौंहनि बीच
गुलाल की कैसी खुली टिकली

इधर, सूफियाना रंग में अमीर खुसरो कैसे रंग डालते हैं देखें -

दैया रे मोहे भिजोया री
वाहे निज़ाम (ख्वाज़ा) के रंग में
कपड़े रंग के कुछु ना होत है
या रंग में तन को डुबोया री

एक और रंग में भी है-

हज़रत ख़्वाजा संग खेलिए धमाल
अजब यार तेरो बसंत बनायो
सदा रखिए लाल गुलाल
हज़रत ख़्वाजा संग खेलिए धमाल।

भारतेंदु हरिश्चंद्र भी कहां धीरज धर पाते हैं --

वे भी फगुनिया में जाते हैं
और फिर गाते भी हैं
गले मुझको लगा लो
ऐ मेरे दिलदार होली में
बुझे दिल की लगी
मेरी भी तो
ऐ यार होली में

और ये अनूठा रंग सूफ़ी शायर हसरत मोहानी का भी है

मोसे छेर करत नंदलाल
लिए ठारे अबीर गुलाल
ढीठ भयी जिन की बरजोरी
औरन पर रंग डाल डाल
हमहूँ जो दिये लिपटाए के हसरत
सारी ये छलबल निकाल

मीर शेर अली अफसोस (1732-1809) भी शिद्दत से होली के बारे में लिखते हैं-

हर इक जा (जगह) हर इक तरफ बजते हैं दफ (ढफली)
हर इक सम्त (दिशा) है सांग वालों की सफ
कहीं गालियों का बंधा हैगा झाड़
किसी तरफ गेंदों की है मारधाड़
उड़े था अबीर और गुलाल इस क़दर
किसी की ना आती थी सूरत नज़र।

वहीं नज़ीर अकबराबादी तो होली में दिलबर से क्या क्या अर्ज़ कर बैठते हैं -

होली की बहार आई फरहत की खिलीं कलियां
बाजों की सदाओं से कूचे भरे औ गलियां
दिलबर से कहा हमने टुक छोड़िए छलबलियां
अब रंग गुलालों की कुछ कीजिए रंगरलियां
है सब में मची होली तुम भी ये चस्का लो
रखबाओ अबीर ऐ जां औ मय को भी मंगवालो
हम हाथ में लोटा लें तुम हाथ में लुटिया लो
होली की यही घूमें लगतीं हैं बहुत बलियां

महत्त्वपूर्ण और ध्यान देने वाली बात ये है कि एक मुस्लिम दम्पति मय रखवाता है। होली की गुलाल, अबीर सजवाता है और हाथ में लोटा - लुटिया में रंग भरकर होली में घूमने की बात करता है इसमें आत्मीयता और अपनेपन में डूबना साफ़ नज़र आता है ।और अगली रचना तो होली की बहार में शामिल कर ही लेती है

फागुन रंग झमकते हों तब देख बहारें होली की।
और दफ़ के शोर खड़कते हों तब देख बहारें होली की।
परियों के रंग दमकते हों तब देख बहारें होली की।
ख़म शीश-ए-जाम छलकते हों तब देख बहारें होली की।
महबूब नशे में छकते हो तब देख बहारें होली की।

यकीनन,होली का उल्लास और होली की मिठास से हमारा प्राचीन साहित्य सराबोर है। आज की होली से वह चटक रंग ही गायब नहीं हुआ है बल्कि प्रेम और सद्भावना की गंगा -जमुनी तहज़ीब को भी फीका किया जा रहा है। होली को प्राकृतिक उत्सव की तरह मनायें। सब एक रंग हो जायें। बहारों का आनंद लें।

शासन से बजट स्वीकृत, अगले हफ्ते लग सकते हैं टेंडर

दस मीटर चौड़ी होगी, कारगिल चौक से गाड़ाघाट तक की 2.7 किमी सड़क

संजय द्विवेदी बैतूल। शहर की सड़कों का विस्तार और चौड़ीकरण किया जा रहा है जिससे वाहन चालकों को सुविधाएं मिलेगी, वहीं ट्रॉफिक व्यवस्था में भी सुधार आयेगा। वैसे तो शहर की अधिकांश प्रमुख सड़कें टू-लेन बन चुकी हैं। जो सडक़े शेष रह गई है, उन्हें भी अब टू-लेन में बदलने की तैयारी चल रही है। खासकर शहर के कारगिल चौक से टिकारी की सबसे महत्वपूर्ण लिंक रोड को टू-लेन में बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग ने शासन को प्रस्ताव भेजा था, जिसे शासकीय स्वीकृति मिल चुकी है। जिसके बाद अब इस सडक़ के टू-लेन बनने का रास्ता साफ हो गया है। गौरतलब है कि कारगिल चौक से गाडाघाट टिकारी वाली सडक़ शहर की व्यस्ततम सडक़ों में से एक है, जहां ज्यादातर निजी अस्पताल, स्कूल, मेडिकल लेब, बैंक, माल, रेस्टारेंट आदि इसी सडक़ पर मौजूद हैं। इसी वजह से इस सडक़ पर 24 घंटे ट्रॉफिक का दबाव बना रहता है। ऐसे में सडक़ की कम चौड़ाई वाहन चालकों को हमेशा खलती थी। लेकिन सडक़ टू-लेन बनने के बाद वाहन चालकों को सुविधाएं मिलेगी।

अभी 7 मीटर है सड़क , 10 मीटर होगा चौड़ा- अभी कारगिल चौक से गाड़ाघाट तक जाने वाली लिंक रोड की चौड़ाई करीब 7 मीटर है। टू-लेन निर्माण के लिए इसको करीब 10 मीटर चौड़ा किया जाना है। सडक़ की चौड़ाई बढऩे से वाहन चालकों को आवागमन में फायदा मिलेगा। जिससे इटारसी रोड गाड़ाघाट से सीधे कारगिल चौक पहुंचा जा सकेगा। अभी भी इसी मार्ग से लोग आना-जाना करते हैं, लेकिन मौजूदा सडक़ पूरी तरह से उखड़ चुकी है और कई जगह सकरी है। जिसके कारण बड़े वाहन नहीं आ पाते हैं। टू-लेन बनने से इस सडक़ से आवागमन आसान

हो जाएगा। वहीं टिकारी क्षेत्र के रहवासियों को भी इस सड़क के बनने से फायदा होगा। वे भी सीधे गंज रेलवे स्टेशन व कोठीबाजार बस स्टैंड आदि जगहों पर पहुंच सकेंगे।

सड़क के लिए 7 करोड़ से अधिक का बजट स्वीकृत- कारगिल चौक से गाड़ाघाट तक लिंक रोड की लंबाई करीब 2.7 किमी है। इसको टू-लेन बनाने के लिए शासन से 7 करोड़ 90 लाख रुपए का बजट स्वीकृत हुआ है। निर्माण के लिए शासन से वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है, जल्द ही प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद टैंडर लगाने की प्रक्रिया होगी। वर्तमान में यह सडक़ 7 मीटर चौड़ी है, लेकिन सडक़ के दोनों तरफ अतिक्रमण होने की वजह से सिंगल रोड जैसी नजर आती है। कईयों बार यंहा स्कूल की छुट्टी होने पर जाम जैसी स्थिति बनती है।

सडक किनारे से अतिक्रमण हटाना बड़ी चुनौती- कारगिल चौक से गाडाघाट तक सडक़ के दोनों तरफ अतिक्रमण है। प्रशासन के लिए निर्माण शुरू करने से पहले अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करना चुनौती से कम नहीं होगी। बताया गया कि कई लोगों ने तो सडक़ पर कब्जा कर बाउंड्रीवाल और घर की दीवारें तक खड़ी कर ली है। ऐसे में निर्माण के लिए पक्के अतिक्रमण को हटाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। टिकारी पुराने बच्चा जेल चौक से टिकारी पानी की टंकी तक सडक़ महज 15 फीट ही चौड़ी रह गई है। अतिक्रमण हटाने और टैंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही सडक़ बनाई जायेगी। इस पूरी प्रक्रिया में करीब तीन से चार महीने का समय भी लग सकता है।

इनका कहना है -

कारगिल चौक से गाड़ाघाट तक 2.7 किमी टू-लेन सडक़ निर्माण के लिए शासन से स्वीकृति मिल गई है। यह सडक़ करीब 7 करोड़ 90 लाख की लागत से बनेगी। संभवतः आने वाले हफ्ते में इसके लिए टैंडर लग सकते है।

- प्रीति पटेल,
ईई, पीडब्ल्यूडी विभाग बैतूल

सड़क पर उड़ती धूल से राहगीर और वाहन चालक परेशान

बैतूल। शहर की अधिकांश सडक़ों पर उड़ती धूल से राहगीर और वाहन चालक परेशान है। हालात यह है कि बड़े वाहनों के सडक़ से गुजरते ही सडक़ धूल के गुब्बारों में तब्दील हो जाती है और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। खासकर आबकारी रोड पर केन्द्रीय विद्यालय गंज वाली सडक़ के हालात तो बेहद खराब है। यहां सडक़ पर धूल उडऩे से लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर

पडऩे लगा है। यंहा के लोगों का कहना है कि जब शहर के कोतवाली चौराहे से मस्जिद चौक तक की सडक़ पर नगर पालिका रोजाना 12 हजार लीटर पानी सिंचवा रही है। वंहा इतना ज्यादा पानी सुबह डाला जाता है कि पूरी सडक़ पर कीचड़ हो जाता है। कई बार तो बारिश जैसा माहौल यहां बन जाता है। वाहनों से कीचड़ उछलने के कारण कई बार लोगों के कपड़े भी खराब हो जाते हैं। प्रत्येक टैंकर 3 हजार लीटर क्षमता का है। इस तरह एक दिन में 12 हजार लीटर पानी वहां पर छिडक़ा जाता है तो एक महीने में 3 लाख 60 हजार लीटर पानी इसी काम में लग जाएगा। वहीं दूसरी और यंहा आबकारी रोड की सडक़ की धूल से लोगों को बचाने के लिए नपा सिंचाई क्यों नही कर रही है। यहीं सडक़ों पर उड़ती धूल से राहत पहुंचाने के लिए नपा द्वारा कोई उपाय तक नहीं किये जा रहे है। इस संबंध में नपा सीएमओ सतीश मटसेनिया का कहना है कि गंज में सडक़ों पर यदि धूल ज्यादा उड़ रही है तो यहां भी पानी का छिडक़ाव करवाया जाएगा। कोठी बाजार में अमले को हिदायत दी जाएगी कि सीमित पानी का छिडक़ाव किया जाए। बचा हुआ पानी जरूरत वाली जगह पर छिडक़ा जाए।

बैतूल विधायक ने दी होली पर्व की बधाई

बैतूल। बैतूल विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने जिलेवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी है। उन्होंने

आव्हान किया कि होलिकादहन बुराई पर अच्छाई की विजय के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए यह पर्व सिर्फ होलिका दहन तक सीमित न रहे बल्कि हमारे भीतर की नकारात्मकता, अहंकार, द्वेष, ईर्ष्या का भी दहन करें। बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि भाईचारा,सद्भाव और सामाजिक समता का प्रतीक रंगोत्सव होली पर्व सभी के जीवन में खुशहाली और समृद्धि के रंग बिखेरे।

खनिज मुरूम का अवैध परिवहन करते 2 वाहन किए जप्त

बैतूल। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध चलाई जा रही मुहिम के तहत कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर खनिज विभाग ने खनि अमले के साथ विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान 12 मार्च को मुलताई क्षेत्र में खनिज विभाग ने खनिज मुरूम

के अवैध परिवहन एवं ओवरलोड वाहनों पर कार्यवाही करते हुए 02 वाहनों को जप्त कर पुलिस थानों की अभिरक्षा में खड़ा किया है। खनि निरीक्षक व्ही.के. वशिष्ठ ने बताया कि जांच के दौरान 02 डम्परों एमपी 48 एच 1395 एवं एमपी 48 एच 1214 को खनिज मुरूम के अवैध परिवहन करते पाये जाने पर जप्त कर थाना साईखेड़ा में खड़ा करवाया गया है। उक्त वाहनों के वाहन चालकों, वाहन मालिकों के विरूद्ध मध्यप्रदेश अवैध खनन, परिवहन और भण्डारण नियम 2022 के प्रावधानों के तहत प्रकरण न्यायालय कलेक्टर बैतूल में प्रस्तुत कर कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर के निर्देश पर जिले में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर श्रम पदाधिकारी बैतूल ने जिले में बाल मजदूरी पर प्रतिबंध लगाया है। जारी आदेश में श्रम पदाधिकारी ने विवाह समारोह, होली, रंगपंचमी त्यौहार आदि को ध्यान में रखते हुये सभी नियोजकों से अपील की है कि अपने संस्थान में किसी भी बाल श्रमिक, किशोर श्रमिकों से काम नहीं लिया जाए। आदेश का उल्लंघन पाये जाने पर अधिनियम के तहत वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। श्रम पदाधिकारी ने बताया कि बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 धारा 3 एवं 3(ए) के अंतर्गत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों का किसी भी स्थापना में एवं धारा 3 (ए) के अंतर्गत 18 वर्ष तक के किशोरो का खतरनाक प्रक्रियाओं में नियोजन प्रतिबंधित है। धारा 14 (डी) के तहत बाल श्रम एक दण्डनीय अपराध है जिसमें 20 हजार से 50 हजार -रूपये तक का जुर्माना अथवा 6 माह से 2 वर्ष की सजा का प्रावधान है।

भौरा ब्रह्माकुमारीज केंद्र पर आध्यात्मिक उल्लास के साथ मनाई गई होली

बैतूल/भौरा। ब्रह्माकुमारीज के भौरा केंद्र पर गुरुवार को आध्यात्मिक उल्लास और आत्मिक शुद्धता के साथ होली महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र की बहनों और श्रद्धालुओं ने एकत्रित होकर होली के पर्व का महत्व समझा और परमात्मा के दिव्य सन्देश को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक प्रवचनों से हुई, जिसमें जीवन में सकारात्मकता और आत्मिक उन्नति का महत्व बताया गया। भौरा केंद्र की प्रमुख बीके सुनीता दीदी ने कहा, होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमें अपने भीतर की बुराइयों, विकारों और नकारात्मकता को जलाकर श्रेष्ठ गुणों को धारण करने की प्रेरणा देता है। जिस प्रकार होलिका दहन में अहंकार, क्रोध, लोभ व अन्य बुराइयों को जलाने की परंपरा है, वैसे ही हमें भी अपने मन से सभी नकारात्मक प्रवृत्तियों को खत्म कर देना चाहिए। सच्ची होली तब होती है जब हम अपने भीतर ईर्ष्या, अहंकार और द्वेष को समाप्त कर आत्मा को पवित्र बनाते हैं। इसके बाद श्रद्धालुओं ने प्रेम और सौहार्द्र के प्रतीक स्वरूप एक-दूसरे को गुलाल का तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान भक्ति गीतों और भजनों के माध्यम से भक्तों ने ईश्वरीय प्रेम और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति की।

होली दहन पर प्रसिद्ध मेघनाथ मेला आज

गुबरेल का मेघनाथ मेला सैकड़ों वर्षों से आस्था और विश्वास का संगम

बैतूल। रावणपुत्र मेघनाद आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में आस्था का केंद्र है। होली पर्व से जिले के ग्रामीण अंचलों में मेघनाद मेले का आयोजन किया जाता है। आमला ब्लाक के ग्राम गुबरेल के मेले की जिले में अपनी अलग पहचान है। 14 मार्च आयोजित गुबरेल मेले में जिले भर से लोग आते हैं। गुबरेल का मेघनाथ मेला सैकड़ों वर्षों से आस्था और विश्वास का संगम हैं। आज भी इस मेले में लोगों की आस्था उतनी ही बलवती है। इस मेले में सैलाब उमड़ता है। लोग परंपराओं का निर्वहन करते हुए मेले का आंनद लेते हैं। इस दौरान विशेष पूजा अर्चना की जाती है। ग्राम के पटेल मोनू सिंगारे ने बताया कि विगत 51 वर्षों से गुबरेल में होली दहन के दिन प्रसिद्ध मेघनाथ मेले का शुभारंभ किया जाता है। मेघनाथ मेले में परशराम सिंगारे, कुंवर सिंह सिंगारे, खेमचंद सिंगारे, दुलीचंद सिंगारे, परेश्वर सिंगारे परिवार द्वारा अखाड़े का आयोजन किया जाता है, जिसे देखने दूर-दूर से ग्रामीण पहुंचते हैं। इसके अलावा मेले में तलवार बाजी, लाठी सहित अन्य पारंपरिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जो आकर्षण का केंद्र रहते हैं।

होली पर्व : बाजारों में रही भीड़, खूब बिका रंग-अबीर

बैतूल। जिले भर में रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाई जाएंगी। गुरूवार शाम तक युवाओं की टोलियों ने इसकी तैयारी पूर्ण कर ली थी, वहीं जगह-जगह होली जमाई गई। जहां शाम को महिलाओं ने होली का पूजन किया। हालांकि होली पूर्व को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह और उमंग का माहौल बच्चों में देखा गया। इसके साथ ही जगह-जगह रंग-गुलाल की दुकानें भी सजी रही। जबकि कई लोगों गुरूवार को होली भी खेली। हालांकि हर कोई इस त्योहार को अपने अंदाज में मनाने को उत्सुक दिखाई दिया। शहर के अधिकतर लोगों ने सूखे रंगों से होली खेलकर पानी बचाने का संकल्प लिया। बाजार में अबीर गुलाल की दुकानें सजी रही। बाजार में बच्चों के लिए तरह-तरह की पिचकारी की दुकानें लगी रही। 13 मार्च को होली और 14 को धुलेंडी की लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी। पर्व को रंगों की यादें चढ़ाने के लिए बाजार में हर्बल रंग विशेष रूप से उपलब्ध रहे। इस वर्ष विशेष रूप से खुशबूदार हर्बल गुलाब बाजार में उपलब्ध रहा। बाजार में बच्चों के लिए 5 रुपए से लेकर 800 रुपए तक की पिचकारी बिक

रही थी।

परीक्षार्थी रहे पर्व से दूर- बोर्ड एवं स्थानीय परीक्षाएं आयोजित होने से परीक्षार्थी इस बार होली निर्माण एवं होली खेलने से वंचित रहेंगे। उन्हें साल भर होली का त्योहार खलता रहेगा। कक्षा 10वीं के छात्र ने बताया कि हमारी परीक्षाओं के चलते हम होली के त्योहार में शामिल नहीं हो सके। इसी प्रकार मनीष विश्वकर्मा ने कहा कि इस बार हम होली उत्सव से दूर ही रहे क्योंकि परीक्षाएं चल रही है।

बाजारों में रही भीड- गुरूवार को शहर के बाजारों में ग्राहकों की भीड़ रही। इसके साथ ही लोगों को जमकर खरीदारी करते भी देखा गया। रंगों के इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में उत्सुकता तो थी, ही साथ ही रसायनिक रंगों से परहेज करते भी नजर आए। जबकि साप्ताहिक बाजार में रंग और हर्बल कलर की एक से बढक़र एक वैरायटी दुकानों में उपलब्ध थी।

जिला पंचायत सीईओ ने की आयुष्मान कार्ड की प्रगति की समीक्षा

शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के अधिकारियों को निर्देश

बैतूल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन ने स्वास्थ्य विभाग की आयुष्मान कार्ड बनाये जाने संबंधी समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में उन्होंने निर्देशित किया कि जल्द से जल्द शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाये जाए। उन्होंने विकासखंडवार सामान्य हितग्राहियों और 70 वर्ष की आयु से अधिक के हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि कार्ड बनाये जाने की उपलब्धि हासिल करने में अंतराल को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

खंड चिकित्सा अधिकारी बीआईएस पोर्टल से पंचायतवार हितग्राहियों की नामजद सूची प्राप्त कर, नये दर्ज हुए नामों का अवलोकन कर उन्हें लक्षित करें एवं जिनके आयुष्मान कार्ड नहीं बने हैं, उनके कार्ड बनवाएं। बीआईएस पोर्टल में बने हुए आयुष्मान कार्ड जो ऑरेंज कलर में प्रदर्शित हो रहे हैं, उन्हें पुन- जांच कर निर्धारित कमी को पूर्ण कर ग्रीन कलर में परिवर्तित कराना सुनिश्चित करें। जिन हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बन तो गये हैं किन्तु अभी भी पोर्टल में बनाये जाने के लिए प्रदर्शित हो रहे हैं, ऐसे व्यक्तियों के नाम, आधार कार्ड के नम्बर एवं आयुष्मान कार्ड के नम्बर की सूची बनाकर शीघ्र प्रस्तुत करें ताकि उन्हें हटाये जाने की कार्यवाही की जा सके।

भैंसदेही, चिचोली एवं प्रभात पट्टन में विशेष प्रगति लाने दिए निर्देश- सीईओ श्री जैन ने आयुष्मान कार्ड की प्रगति समीक्षा के दौरान विकासखंड भैंसदेही, चिचोली एवं प्रभात पट्टन को विशेष प्रगति लाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिन विकासखंडों का लक्ष्य 90 प्रतिशत से अधिक अर्जित हो चुका है वे भी विशेष योजना बनाकर कार्य करें एवं जिले की उपलब्धि में प्रगति लायें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रविकांत उइके को निर्देश दिये कि स्वास्थ्य विभाग के निचले अमले को कडाई से निर्देशित करें कि बिना कोताही के शत-प्रतिशत कार्य करें, या तो कर्मचारी पूरे प्रयास के साथ बेहतर कार्य करें, नहीं तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाए।

मरणोपरांत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पुरूषोत्तम आम्बेकर राष्ट्रवीर सम्मान से सम्मानित

आजादी की लड़ाई में आम्बेकर जी ने अपना सर्वस्व नौछावर कर दिया था

बैतूल। स्वतंत्रा संग्राम सैनानी पुरूषोत्तम आम्बेकर शास्त्री को इलेक्ट्रम इंस्टिट्यूट द्वारा उनके निवास पर पहुंच कर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान उनके पोते दीपक आम्बेकर को संस्था के अचित पाठक, सुष्मित बंसोड़, रितेश क्षितिवार, सागर शेषकर, एश्वर्य बनसोड़ द्वारा दिया गया। इस मौके पर अचित पाठक ने बताया कि ग्राम खंड़ी सांवलीगढ़ में 8 अगस्त 1909 को जन्में पुरुषोत्तम आंबेकर शास्त्री की आजादी की आजादी की लड़ाई में अहम भूमिका रही। उन्होने 8 सौ मील पैदल चलकर अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की, लिहाजा उन्हें सियालकोट जेल में एक साल के कैद की कैद हुई। सुष्मित बंसोड़ और रितेश

क्षितिवार ने बताया कि अंग्रेजों के खिलाफ क्रांतिकारी बगावत करने वाले जिले के विष्णु सिंह गोंड को फांसी की सजा सुनाई गई तो श्री शास्त्री को यह नागवार लगा। उन्होने अपने घर के बर्तन और जेवर बेचकर विष्णु सिंह गोंड को सुनाई सजा के खिलाफ लंदन की प्रीवी-कौंसिल में अपील की थी और सरदार विष्णु सिंह गोंड को फांसी की सजा से बचा लिया था। क्रांतिवीर-आदिवासी विष्णु सिंग को फांसी की सजा होने पर प्रीव्ही कौन्सिल में मुकदमा जाने पर उनकी पेरवी करने के लिए अपनी पुश्तैनी 60 एकड़ जमीन बेच दी और पत्नी प्रभावती आम्बेकर के स्वर्ण आभूषण बेचकर सर्वस्व का त्याग कर मुकदमा लड़े और सरदार विष्णु विंह गोंड के पुत्री को साथ रखकर उन्हें पढ़ाया था। सागर शेषकर और ऐश्वर्य बनसोड़ ने बताया कि आजादी पाने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर करने वाले ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री आंबेकर शास्त्री का निधन नागपुर में 29 मार्च 2004 को हो गया। इसी तरह संस्था द्वारा अनिरूद्ध मिश्रा के दादाजी पंडित पूरन प्रसाद मिश्रा को भी सम्मानित किया गया। संस्था के पदाधिकारियों द्वारा कहा गया कि इस अतुलनीय एवं अविस्मरणीय योगदान के लिए राष्ट्र सदैव आपका ऋणी रहेगा।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद, बैतूल (म.प्र.)

क्र./रा.वि./नामां./2025/1240 बैतूल, दिनांक 10/03/2025

//नामांतरण सूचना //

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि परिषद स्वामित्व अधीनस्थ निम्नलिखित शॉपिंग काम्पलेक्स/शीट की दुकान/प्लाट क्रमांक में नाम परिवर्तन (नामांतरण) किये जाने हेतु निम्न आवेदन पत्र इस कार्यालय को प्राप्त हुए हैं। जिनका विवरण निम्नानुसार हैं :-

क्र.	दुकान क्र.	काम्पलेक्स का नाम	वर्तमान आवंटिती का नाम / पिता का नाम	जिसके नाम से नामांतरण होना हैं, उसका नाम/पिता का नाम	नामांतरण का आधार
1	2	3	4	5	6
1	प्लाट नं. 03	नगरपालिका स्वामित्व नजूल शीट नं. 25 (प्लाट नं. 03)	श्री लक्ष्मीनारायण तिवारी वल्द रामप्रसाद तिवारी बैतूल	1. श्री सुनील तिवारी पिता स्व. श्री लक्ष्मीनारायण, 2. श्री अनिल कुमार तिवारी पिता स्व. श्री लक्ष्मीनारायण, राजेन्द्र वार्ड, बैतूल गंज बैतूल,	श्री लक्ष्मीनारायण तिवारी की मृत्यु होने से मृत्यु प्रमाण-पत्र व शपथ-पत्र/आवेदन के आधार पर
2	प्लाट नं. 04	नगरपालिका स्वामित्व नजूल शीट नं. 25 (प्लाट नं. 04)	श्री सतीश वर्मा वल्द द्वारका प्रसाद वर्मा बैतूल	श्री प्रथम अग्निहोत्री पिता श्री नारायण अग्निहोत्री, टैगोर वार्ड, बैतूल	सहमति पत्र-शपथपत्र आवेदन के आधार पर
3	प्लाट नं. 11	नगरपालिका स्वामित्व नजूल शीट नं. 25 (प्लाट नं. 11)	श्री मिश्रीलाल वल्द सुखलाल टेलर बैतूल	श्री राजकुमार तालमपुरिया पिता स्व. श्री मिश्रीलाल, राजेन्द्र वार्ड	श्री मिश्रीलाल की मृत्यु से मृत्यु प्रमाण-पत्र व शपथ-पत्र /आवेदन के आधार पर

उक्त नामांतरण की कार्यवाहीं नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा-109 व मध्यप्रदेश नगरपालिका (अचल संपत्ति का अंतरण) नियम, 2016, संशोधन नियम - 2021 2023 में प्रावधित नियमों के तहत् प्रस्तावित हैं। वर्तमान आवंटिती एवं ग्रहिता नामांतरण आवंटिती द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का मिलान तथा नामांतरण प्रक्रिया में विसंगति होने पर नामांतरण प्रक्रिया पूर्णत: स्वत: हीं शून्य घोषित हो जावेगा जो दोनो पक्षकारों को स्वीकार्य होगा। साथ हीं आवेदनकर्ताओं के विरूद्ध कार्यवाहीं करने के लिए निकाय स्वतंत्र रहेगी। अत: नाम परिवर्तन (नामांतरण) किये जाने के संबंध में किसी भी व्यक्ति / संस्था / उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति नामांतरण सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर मय अभिलेख के लिखित में अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि में आपत्ति प्राप्त न होने पर नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा-109 व मध्यप्रदेश नगरपालिका (अचल संपत्ति का अंतरण) नियम, 2016, संशोधन नियम-2021, 2023 में प्रावधित नियमों के अन्तर्गत अभिलेखों में नामांतरण कर नाम दर्ज कर दिया जावेगा। नामांतरण सूचना में आवश्यक संशोधन होने पर संशोधन का प्रकाशन केवल कार्यालय सूचना पटल पर हीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद बैतूल

होली विशेष

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

लेखक स्तंभकार हैं।

रंगों में भीगने का न्यौता

हमारा सम्पूर्ण जीवन एक रंगोत्सव है। लेकिन इस उत्सव के रंग बाजार में नहीं मिलते। ये हमारे दिल की पोटलियों में बंद हैं। इन रंगों से वे ही खेलते हैं, जो इन पोटलियों को खोलकर अपने रंगों की दुनिया सजा पाते हैं। ये रंग प्रेम के हैं, सद्भाव के हैं, मैत्री और सहयोग के हैं।

ये रंग पक्के होते हैं, जो कभी छूटते नहीं। रंग में आना चाहते हैं, तो पहले भीतर-बाहर से कोरे हो जाइए। न ज्ञान का घमंड हो, न पैसे का दिखावा। न गरीब होने का दुःख हो, न अमीर होने का गुरूर। आप जितने कोरे और साफ-सुथरे होंगे, रंग उतने ही निखरेंगे। यकीन न हो, तो किसी रंगरेज से पूछ लीजिए।

रंगों का अपना अनुशासन होता है, और स्वाभिमान भी। इन्द्रधनुष के रंगों का अनुशासन देखा है आपने? फूलों और वनस्पतियों में, मोर और तितलियों के पंखों में, आकाश और बादलों की घटाओं में, सूर्य की रश्मि और चाँदनी की छटाओं में रंगों का अनुशासन और सामंजस्य निराला होता है। आप रंगों के अनुशासन को अपनी मर्जी से भंग नहीं कर सकते। करेंगे, तो वह आपका अपना रंग-भंग होगा।

धातुओं के मेल की तरह रंगों के मेल का अपना गणित है। कोई रंगों के स्वभाव को समझ ले, तो इस दुनिया की किताब का एक-एक पन्ना खुलता चला जाए। रंगों की दुनिया से आदमी का रिश्ता आजकल का नहीं, सदियों पुराना है। जब एक रंग से दूसरा रंग मिलता हैं, तब ही सभ्यता परवान चढ़ती है।

रंगों में भींगने का न्यौता देने वाली होली की मस्ती का दीवाना कौन नहीं है। यह नवान्न का स्वागत समारोह ही नहीं, रोग के भय और मृत्यु के शोक की होलिका का दहन कर जीवन को रंगीन बना देने की सुहानी पहल भी है। यह प्यार भरा त्यौहार आह्वान करता है- आओ, हम सब मिलकर एक-दूजे में रंग जाएँ, और सब मिलकर मनुष्यता का नया सूरज उगाएँ।

जीवन कितना खूबसूरत है, यह हमें उन पूर्वजों ने बताया, जो जीवन भर संघर्ष करते रहे, फिर भी हमारे लिये उत्सव और त्यौहारों की लम्बी शृंखला बना गये। भारतीय होने का मतलब ही यह है कि कठिनाइयों में भी उत्सवों की लगातार खोज करते चले जाना। जब तक त्यौहार रहेंगे, उत्सव चलते रहेंगे और लाल-सुनहले रंग खिलते रहेंगे।

ऐसा लगता है कि हम त्यौहारों के नये युग में प्रवेश कर रहे हैं। त्यौहार मनाने के रंग बदल रहे हैं, नये-नये त्यौहार नये-नये रंगों में आकार ले रहे हैं। उत्सवधर्मिता का जोश और उमंग पहले से दुगुना-तिगुना हो गया है। हम लोग परम्परा की लकीरों को पीटते हुए भी त्यौहार को अपने अंदाज में मनाना चाहते हैं, और उसमें अपनी इच्छाओं के रंग भी भरना चाहते हैं। त्यौहारों में नवाचार तो बहुत अच्छी बात है, लेकिन उसकी मौलिकता बनी रहे, तो और भी अच्छा।

यह जरूर है कि इन रंगों के पीछे त्यौहार का मूल

स्वभाव और स्वरूप दबता चला जा रहा है। फाल्गुनी पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला होली का त्यौहार एक पवित्र और रंगारंग उत्सव ही होना चाहिए, लेकिन बेशकीमती लकड़ियाँ जलाना और पानी का अपव्यय होना तो उत्सव का अंग नहीं हो सकता। भांग और मदिरा पीकर उन्माद की इबारत लिखना तो उत्सव का हिस्सा नहीं माना जा सकता। भरोसे की दोस्ती और प्यार के इजहार की नयी थीम पर काम करते हुए दुनिया को नया संदेश देने की चौतरफा तैयारी हो, तो होली जैसे परम्परागत त्यौहार का रंग सबको और अधिक भाने लगे।

समझदार लोग अपने जीवन को रंग भरे उत्सव की तरह लेते हैं। वे सामाजिक दायित्व भी निभा लेते हैं और अपने काम में आनंद का भाव लेकर जुटे रहते हैं। ये वे लोग हैं, जो जीवन के एक-एक पल में अपनी मेहनत के रंग भरते हुए समय का सम्मान करते हैं। जोश में होश खोने वाले लोग भी बड़ी संख्या में हैं और वे हमसे दूर नहीं,आसपास ही हैं।

हम किसीके ऊपर केसर तो बरसा सकते हैं, लेकिन कालिख पोतने से तो बचना होगा। बहारों से प्रेम के फूल बरसाने का निवेदन तो जमाना करता है, लेकिन ईर्ष्या-द्वेष का कीचड़ उछालने का मन बना हुआ है, तो हम सभ्य कहाँ हुए? वसंत की खिली हुई धूप और टेसुओं के रंग लेकर फागुन आया है, तो बैठकर सोचें कि इस बेदर्द जमाने में हम कितने कलुषित हुए हैं। जीने-मरने तक के तौर-तरीके बदल गये हैं। इस बार होली पर हम भी अपना रंग बदल कर देखें। इसके लिये हमें जागृति के रंग चाहिए, आपसी सुरक्षा के रंग चाहिए, नियम और संयम के रंग चाहिए, साथ में प्रेम, उमंग और उल्लास के रंग भी चाहिए।

इस बार प्रेम, सद्भाव और भाईचारे के रंगों से होली खेलिए। एक-दूसरे के दिल के घावों को भर दीजिए। जीवन के गान गाते हुए रंग डालिए अपनों के मन। उनके चित्त की बेचैनी को अपने प्यार के रंगों से धो डालिए।

दुःख भरी यादों को, बुरे दिनों के इतिहास को, अनमनी सुबह को, उदासी में डूबी हुई शाम को तमाम रंगों में रंग डालिए। रात के बुरे सपनों पर, अपने परिजनों के बुझे हुए दिलों पर सकारात्मक ऊर्जा की मस्ती के रंग छिड़क दीजिए। यह दुनिया बहुत बड़ा कैनवस है, और हम इसमें प्यार के सुनहरे रंग भरने के लिये ही यहाँ लाये गये हैं।

देश में सबसे पहले महाकाल मंदिर में जली होली

उज्जैन में भगवान महाकालेश्वर को हर्बल गुलाल किया अर्पित

उज्जैन (नप्र)। देश में सबसे पहले होली का पर्व महाकाल मंदिर में मनाया गया। इस बार सिर्फ एक किलो हर्बल गुलाल भगवान महाकाल को अर्पित किया गया। आरती के दौरान आईजी उमेश जोगा, कलेक्टर नीरज सिंह और प्रशासक प्रथम कौशिक मौजूद रहे।

संध्या आरती के बाद ओकारेश्वर मंदिर के बाहर होलिका दहन किया गया। इसके लिए कंडों से होलिका बनाई गई थी। इस बार श्रद्धालुओं को होलिका दहन स्थल के आगे जाने की अनुमति नहीं दी गई थी।

मिनटों में जलकर खाक हो गई सीहोर के तीन गांवों की गेहूं की खड़ी फसल

सीहोर (नप्र)। श्यामपुर तहसील के तीन गांवों के किसानों की गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई। गांव पाटन, तकिया,बरखेडा के 100 से 200 एकड़ रकबे की फसल कुछ ही मिनटों में जलकर ख़ाक हो गई। बताया जा रहा है कि भूसा बनाने वाली मशीन से आगजनी की घटना घटी। जिसमें लाखों रुपए की फसल जलकर खाक हो गई।

पाटन के किसान जगदीश चरकी वाले, जगदीश पिता भवर जी, राहुल पिता बद्री प्रसाद,रामसिंह पिता बंसी लाल, सुनिल पिता रामसिंह,बीरबल पिता बाबू लाल, रमेश पिता कवर जी, मांगीलाल जराती, राकेश पिता भवर जी एवं तकिया, बरखेड़ा के किसानों की भी खड़ी गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई।

मौके पर स्थानीय किसानों द्वारा झाड़ियों के सहारे आग बुझाना चाहा लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और आगजनी का विकराल रूप में परिवर्तित हो गई थी। मौके पर समय से फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच पाई।

मौके पर फायर ब्रिगेड पहुंचती तो शायद आज पर काबू पाया जा सकता था। ट्रैक्टर से बख्खर निकाल कर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। मौके पर स्थानीय लोगों ने भूसा मशीन वाले संचालक एवं ट्रैक्टर भूसा मशीन को भी कब्जे में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया।

उल्लेखनीय है कि श्यामपुर तहसील क्षेत्र में एक भी फायर

ब्रिगेड नहीं है। लंबे समय से क्षेत्र के किसान फायर ब्रिगेड की मांग कर रहे हैं लेकिन गौर नहीं किया जा रहा है। जिला मुख्यालय से यह क्षेत्र करीब 40 किमी दूर है। ऐसे में आग लगने पर दमकल को पहुंचने में काफी समय लग जाता है इस दौरान यह आग विकराल रूप धारण कर लेती है। और काबू में नहीं आ पाती। ग्राम बिलकिसगंज में 12 एकड़ खेत में खड़ी फसल जल गई। ऐसे में किसान की मेहनत पल भर में स्वाहा हो गई है और उन्हें लाखों रुपए का नुकसान हो गया है।

25 हजार से अधिक छात्रों को हाईकोर्ट से राहत

प्रोविजनल नहीं, मिलेगी नई मार्कशीट, अपात्र संस्थाओं की फाइल पेश करने के आदेश

जबलपुर (नप्र)। नर्सिंग फर्जीवाड़े मामले में गुरुवार को हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई, जिसमें सरकार को निर्देश दिए गए कि अपात्र नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता से संबंधित मूल फाइलें 18 मार्च तक कोर्ट में पेश की जाएं। साथ ही, हाईकोर्ट ने नर्सिंग काउंसिल के दफ्तर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच के भी आदेश दिए हैं।

छात्रों को बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने 25 हजार से अधिक नर्सिंग छात्रों को राहत देते हुए नर्सिंग काउंसिल को आदेश दिया कि सभी छात्रों को नई मार्कशीट जारी की जाए, जिसमें 'प्रोविजनल' शब्द का उल्लेख न हो। इससे अन्य राज्यों में जाने वाले छात्रों को होने वाली परेशानी से राहत मिलेगी।

सीसीटीवी फुटेज की होगी जांच

साइबर पुलिस भोपाल, नर्सिंग काउंसिल के कार्यालय के सीसीटीवी डीवीआर से गायब फुटेज रिकवर करने में असफल रही है। इस पर हाईकोर्ट ने काउंसिल दफ्तर के आसपास लगे अन्य कैमरों के फुटेज की जांच कर रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं।

अन सूटेबल कॉलेजों के छात्रों के लिए नई व्यवस्था पर विचार

याचिकाकर्ता लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने हाईकोर्ट से अपील की कि अन सूटेबल पाए गए संस्थानों में पढ़ रहे हजारों छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें मान्यता प्राप्त कॉलेजों में स्थानांतरित किया जाए। हाईकोर्ट ने सरकार को इस विषय पर अगली सुनवाई में पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

धर्मांतरण कराने जा रहे थे, तीन स्टेशनों से पकड़ाए

एमपी के 18 लोग जा रहे थे जालंधर के चर्च; 1 लाख का लालच दिया था

ग्वालियर (नप्र)। मध्यप्रदेश में तीन स्टेशनों से पुलिस ने 18 यात्रियों को पकड़ा है। ये सभी लोग धर्मांतरण के लिए पातालकोट एक्सप्रेस में बैठकर जालंधर जा रहे थे। कुछ लोगों ने इन्हें लालच दिया था कि यदि वे ईसाई धर्म अपना लेंगे, तो उन्हें एक-एक लाख रुपए मिलेंगे। साथ ही, उनके बच्चों को क्रिश्चियन स्कूल में पढ़ाया जाएगा और उन्हें विदेश में नौकरी करने का मौका मिलेगा।

इसी लालच में बुधवार को छिंदवाड़ा से बड़ी संख्या में लोग इस गिरोह के साथ पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन से रवाना हुए थे। हालांकि, पुलिस को सूचना मिलते ही घेराबंदी कर दी गई। सबसे पहले विदिशा के गंजबासौदा में ट्रेन रोककर 11 यात्रियों को उतार लिया गया।

इसके बाद बीना स्टेशन पर 4 यात्रियों को सुरक्षित बचाया गया। यहां यह पता चला कि कोच एस-1 में तीन यात्री और हैं। इसके बाद, ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर पातालकोट एक्सप्रेस को 30 मिनट तक रोककर सघन जांच की गई, जिसके बाद तीन यात्रियों को पकड़ा गया। ग्वालियर जीआरपी ने इन तीनों को गंजबासौदा पुलिस के हवाले कर दिया।

बजरंग दल ने दी थी जानकारी- ग्वालियर जीआरपी से मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को भोपाल पुलिस को बजरंग दल के पदाधिकारियों ने सूचना दी थी कि छिंदवाड़ा से बड़ी संख्या में गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों को धर्मांतरण के लिए पंजाब के जालंधर चर्च ले जाया जा रहा है। वहां इन लोगों को पैसों का प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराया जाएगा।

सूचना देने वालों ने बताया कि छिंदवाड़ा के सेजनाथ सूर्यवंशी और विजय कुमार इन लोगों को लेकर पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन के एस-1, एस-2, एस-3, एस-4, एस-5 कोच में सवार हैं। इस पर भोपाल पुलिस सक्रिय हुई, लेकिन स्टेशन पहुंचने तक ट्रेन रवाना हो चुकी थी। इसके बाद आगे विदिशा के गंजबासौदा में पुलिस और जीआरपी को सूचना दी गई।

गंजबासौदा स्टेशन पर ट्रेन को रोककर पुलिस ने 11 यात्रियों को पहचान कर हिरासत में लिया, जिनमें सेजनाथ और विजय भी शामिल थे। जब ट्रेन यहां से निकली तो पता चला कि कुछ और लोग अभी भी ट्रेन में सवार हैं। इसके बाद बीना स्टेशन पर पुलिस ने एस-4 कोच से चार और यात्रियों को पकड़ा।

बीना स्टेशन पर भी पकड़े गए यात्री- बीना में पकड़े गए यात्रियों से पूछताछ के बाद पता चला कि ट्रेन में उनके तीन और साथी मौजूद हैं, जो एस-1 और एस-2 कोच में बैठे हैं। इसके बाद ग्वालियर पुलिस और जीआरपी को सूचना दी गई। रात 11:30 बजे जब पातालकोट एक्सप्रेस ग्वालियर पहुंची तो पुलिस ने घेराबंदी कर दी।

पुलिस को देखकर धर्मांतरण के लिए जा रहे यात्री अन्य कोचों में छिपने की कोशिश करने लगे। करीब 30 मिनट तक पुलिस और जीआरपी ने ट्रेन की तलाशी ली और आखिरकार एस-5 कोच से तीन यात्रियों को पकड़ लिया। इनमें शामिल हैं,रितेश प्रकाश (37 वर्ष) - पिता का नाम जान प्रकाश, निवासी मिशन चर्च कंपाउंड मना विश्वकर्मा (45 वर्ष) - पिता का नाम फगनलाल, निवासी नोनिया करवल परतला

राकेश (41 वर्ष) - पिता का नाम विजय नागवंशी, निवासी छिंदवाड़ा।

लालच देकर धर्म परिवर्तन की कोशिश

पकड़े गए यात्रियों ने पुलिस को बताया कि सेजनाथ और विजय कुमार कुछ महीने पहले उनसे मिले थे। उन्होंने बताया था कि ईसाई धर्म अपनाने पर उन्हें कई फायदे होंगे, एक लाख रुपए मिलेंगे, उनके बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाया जाएगा और वे विदेश जाने का अवसर पा सकेंगे।

यही लोग उन्हें जालंधर, पंजाब के चर्च में ले जा रहे थे। आरोपियों ने यह भी बताया कि इससे पहले उन्हें फिरोजपुर के चर्च भी ले जाया जा चुका है। इस मामले में ग्वालियर जीआरपी ने बताया कि पकड़े गए तीनों यात्रियों को गंजबासौदा जीआरपी को सौंप दिया गया है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

सक्षम आंगनवाड़ी एवं मिशन पोषण 2.0 के तहत आंगनवाड़ी कार्यकताओं का होगा प्रशिक्षण

'पोषण भी-पढ़ाई भी' पर एक दिवसीय कार्यशाला 18 मार्च को

भोपाल (नप्र)। केन्द्र सरकार के 'पोषण भी-पढाई भी' कार्यक्रम के तहत प्रदेश की समस्त आंगनवाड़ी कार्यकताओं को नेशनल करिकल्म फॉर अर्ली चाईल्डहूड केयर एण्ड एजुकेशन 2024 (आधारशिला) एवं नेशनल फ्रेमवर्क फॉर अर्ली चाईल्डहूड स्टीमूलेशन 2024 (नवचेतना) के अनुसार प्रशिक्षित किया जाएगा। दो चरणों में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 से 22 मार्च 2025 और 24 से 26 मार्च को होगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 3 वर्ष से कम आयु के बच्चों के पालकों को बाल विकास को प्रेरित करने के संबंध में जागरूक करने, पोषण संबंधी गतिविधियों, 3-6 वर्ष के बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा और बच्चों में दिव्यांगता एवं विकास में देरी के संबंध में पालकों को जागरूक करने जैसे विषयों पर प्रशिक्षित किया जाएगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिये राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान नई दिल्ली एवं इंदौर द्वारा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रशिक्षणों के माध्यम से परियोजना अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों को मास्टर ट्रेनर्स के रूप में तैयार किया गया है। 'पोषण भी-पढ़ाई भी' कार्यक्रम के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला बाल विकास विभाग के संभागीय संयुक्त संचालकों एवं जिला कार्यक्रम अधिकारियों के उन्मुखिकरण के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल के होटल रेडिसन में 18 मार्च को प्रातः 9:30 बजे किया जा रहा है।

युवा शिविर का आयोजन

भोपाल। भोपाल में अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य कर रहे युवाओं को एक मंच पर लाने तथा उनके कार्यों को आपस में साझा करने के उद्देश्?य से जवाहर भवन के ईसीई केंद्र पर युवा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में शैक्षिक गतिविधि प्रिविलेज वॉक द्वारा समाज को समझने का प्रयास किया गया। शिविर में विभिन्न कौशलों जैसे व्यक्तित्व विकास, सीवी बनाने के तरीकों, सेना से रिटायर्ड पर्सन के माध्यम से सेना में जाने के तरीकों व अनुभवों को रखा गया। युवाओं द्वारा अपने कार्यों को रखा गया। इस शिविर में 35 युवा साथी जिसमें हमीदिया कालेज,फंदा गाँव और दामखेड़ा के युवा साथी शामिल हुए। कार्यक्रम में अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन के ओर से फैज,दीपा,राजेश,निवेदिता और साधना ने संचालन किया।

जावद के रतनगढ़ में ट्रैक्टर-कार की टक्कर

राणाखेड़ी के युवक की मौत, दो घायलों का अस्पताल में इलाज जारी

जावद (नप्र)। नीमच के रतनगढ़-सिंगोली मार्ग पर डिकेन नगर के पास बुधवार देर रात सड़क हादसा हुआ। एक मोड़ पर मैसी ट्रैक्टर और क्विड कार की टक्कर हो गई। हादसे में राणाखेड़ी निवासी निलेश पिता शंकरलाल की मौत हो गई। वहीं दो अन्य लोग भी इस हादसे में घायल है जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जिनके नाम उमर निवासी सुरेश धाकड़ और राणा खेड़ा निवासी शौकीन धाकड़ है। एक घायल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रतनगढ़ ले जाया गया। डीकेन पुलिस चौकी प्रभारी गोपाल तन के मुताबिक, सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया गया। यातायात व्यवस्था को सुचारू किया गया। पुलिस ने पंचनामा बनाकर मर्ग कायम कर लिया है। शव का पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

बिजली उपभोक्ता सतर्कता एवं अन्य जांच के देयकों का करें ऑनलाइन भुगतान

भोपाल (नप्र)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के ऐसे बिजली उपभोक्ता जिन्हें बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों ने अनंतिम/अंतिम देयक जारी किये हैं, उनके भुगतान के लिए कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in पर ऑनलाईन भुगतान की सुविधा उपलब्ध है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया है कि ऐसे व्यक्ति अथवा बिजली उपभोक्ता जिनके परिसर में बिजली के अनधिकृत उपयोग या फिर अन्य किसी भी अनियमितता के चलते बिजली कंपनी के सतर्कता एवं अन्य जांच दलों द्वारा प्रकरण पंजीबद्ध कर उन्हें अनंतिम/अंतिम देयक जारी किया गया है, तो अब उसके भुगतान के लिए कंपनी के जोन/वितरण केन्द्र कार्यालय के साथ-साथ घर बैठे ही कंपनी की बेवसाइट portal.mpcz.in पर भी ऑनलाईन भुगतान कर सकते हैं। कंपनी ने कहा है कि सतर्कता एवं अन्?य जांच में कंपनी द्वारा जारी अनंतिम/अंतिम देयक के भुगतान के लिए संबंधित व्यक्ति/ उपभोक्ता कंपनी की वेबसाइट पोर्टल portal.mpcz.in LT Services में दिये गये View/Pay Bill पर क्लिक कर Vigilance bill विकल्प पर जाना होगा। इस विकल्प पर जाने के बाद ऑनलाइन भुगतान के लिये उपभोक्ता क्रमांक अथवा पंचनामा/पेज क्रमांक में से किसी एक विकल्प का चयन करने पर सतर्कता के अनंतिम/अंतिम बिल की जानकारी प्रदर्शित होगी। साथ ही पूर्व में जारी किये गये सतर्कता जांच के देयकों को भी पूर्ण विवरण के साथ व्यु बिल विकल्प के माध्यम से देखा जा सकेगा। उपभोक्ता निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर अपनी सुविधानुसार ऑनलाइन भुगतान के लिये क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई अथवा क्यू आर कोड के माध्यम से आसानी से बिल का भुगतान कर सकते हैं।

होली से पहले आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

10 लाख रुपए से अधिक लागत की अवैध शराब जब्त

ग्वालियर (नप्र)। होली के त्योहार को देखते हुए अवैध मादक पदार्थ, देसी शराब पर कार्रवाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अवैध मंदिरा बनाने की सूचना पर अनुभाग के कराहिया क्षेत्र में कंजर के डेरा दुवाह, दुवाही एवं लाल डंडा में आबकारी बल द्वारा दबिश दी गई जिसमें दस हजार किलो गुड़लहान एक सौ दस लीटक हाथ भट्टी देसी जहरीली शराब बरामद की गई। अनुमानित राशि लगभग 10 लाख 22 हजार रुपये आंकी गई है। कार्रवाई में मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34 के तहत कुल 7 प्रकरण पंजीबद्ध किए

गए। कारवाई में ग्वालियर कंट्रोल रूम प्रभारी रवि शंकर यादव , उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह मीणा , शिवा रघुवंशी, सूची जैन सहित आबकारी विभाग की टीम की सराहनीय भूमिका रही।

॥ मंदिरम् ॥ 58

कलना लालजी मंदिर, पश्चिम बंगाल

कलना लालजी मंदिर भगवान कृष्ण का मंदिर है जो कलना मंदिर परिसर में स्थित है और पश्चिम बंगाल के बर्धमान क्षेत्र के कलना में सबसे पुराने टेराकोटा मंदिरों में से एक है। लालजी मंदिर का निर्माण 1739 में ब्रज किशोरी देवी ने करवाया था जो महाराजा जगत राम की पत्नी थीं। मंदिर परिसर के अंदर, बर्फीले हरे पंखों वाला एक चमकीला पीला गरुड़ मुख्य राधा और कृष्ण की मूर्तियों की रखवाली करता है। पश्चिम बंगाल में लालजी मंदिर में मंदिर के आधार के चारों ओर छोटे-छोटे पैनल लगे हैं और पुराणों के दृश्य दर्शाए गए हैं। यह मंदिर मुख्य रूप से श्री राधिका और श्री कृष्ण को समर्पित है। छत पर 25 चोटियों के कारण, इस मंदिर को पंचबिंसती-रत्न मंदिर के नाम से जाना जाता है। दूर से देखने पर यह बहुत सुंदर लगता है। मंदिर ईंटों से बना है और दीवारों पर टेराकोटा की आकृतियाँ हैं। इसका अधिकांश हिस्सा समय के साथ फीका पड़ गया है, लेकिन जो बचा है वह दर्शकों को हमेशा आश्चर्यचकित करता है।

प्रदेश के 5 बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म

भोपाल, इंदौर-जबलपुर में पारा 37 डिग्री, होली के बाद गर्मी और बढ़ेगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश के 5 बड़े शहरों में उज्जैन सबसे गर्म है। यहां दिन का तापमान 38 डिग्री पहुंच गया है। भोपाल, इंदौर और जबलपुर में 37 डिग्री के पार है। वहीं, खजुराहो, नर्मदापुरम, रतलाम-मंडला में भी गर्मी का असर बढ़ा है। ऐसा ही मौसम गुरुवार को भी बना रहेगा। होली के बाद गर्मी और असर दिखाने लगेगी।

मौसम विभाग के अनुसार, आसमान साफ होने से सूरज की धूप सीधे जमीन पर आ रही है। इस कारण दिन गर्म हो गए हैं। बुधवार को खजुराहो में 39.4 डिग्री, नर्मदापुरम में 39.1 डिग्री, रतलाम-मंडला में 39 डिग्री, धार में 38.8 डिग्री, दमोह में 38.5 डिग्री, सतना में 38.2 डिग्री, शिवपुरी, सागर-नौगांव में 38 डिग्री, टीकमगढ़ में 37.8 डिग्री, शाजापुर में 37.6 डिग्री, बैतूल में 37.5 डिग्री और रीवा में पारा 37 डिग्री दर्ज किया गया।

बड़े शहरों में भोपाल में 37.8 डिग्री, इंदौर में 37.2 डिग्री, ग्वालियर में 36.6 डिग्री, उज्जैन में 38 डिग्री और जबलपुर में पारा 37.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इधर, रात का तापमान भी बढ़ा है। मंगलवार-बुधवार की रात में धार में पारा 23.2 डिग्री तक पहुंच गया। भोपाल, इंदौर, खंडवा, खरगोन, रीवा, सिवनी में तापमान 20 डिग्री से ज्यादा रहा।

भोपाल के 2 विद्यार्थी प्रेरणा कार्यक्रम से जुड़े

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय का कार्यक्रम बच्चों को विरासत से जुड़ने का देता है मौका

भोपाल (नप्र)। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने 'प्रेरणा' एक अनुभावात्मक शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। भोपाल के 2 विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम से जुड़ने का मौका मिला है। इन विद्यार्थियों ने कार्यक्रम से अपनी विरासत और संस्कृति पर गर्व करने के साथ एक अच्छे नागरिक बनने के गुण भी सीखे हैं।

केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के प्रेरणा कार्यक्रम में भोपाल के चयनित 2 विद्यार्थी छात्रा मुस्कान मालवीय पीएमश्री स्कूल बरखेड़ा और छात्र आशुतोष द्विवेदी महात्मा गांधी सीएम राइज स्कूल पिपलानी ने 7 दिन गुजरात के बड़नगर में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इनके साथ शिक्षक सुश्री भूमेश्वरी पारधी ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

अनुभावात्मक शिक्षण कार्यक्रम- प्रेरणा कार्यक्रम भारतीय शिक्षा प्रणाली के सिद्धांतों और मूल्य आधारित शिक्षा के दर्शन को एकीकृत करने की एक मजबूत प्रतिबद्धता से प्रेरित है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की आधारशिला है। यह कार्यक्रम आईआईटी गांधीनगर द्वारा तैयार किया गया है। प्रेरणा स्कूल का पाठ्यक्रम 9 मूल्य विषयों पर आधारित है। इनमें स्वाभिमान और विनय, शौर्य और साहस, परिश्रम और समर्पण, करूणा और सेवा, विविधा और एकता, सत्यनिष्ठा और सुचिता, नवाचार और जिज्ञासा, श्रद्धा और विश्वास के साथ स्वतंत्रता और कर्त्तव्य भी शामिल हैं। यह मूल्य युवाओं को देश का आदर्श नागरिक बनने में प्रेरणा देगा। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षण के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी भी शामिल होते हैं। चयनित विद्यार्थियों को प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न राज्यों से आये बच्चों के बीच में एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और विरासत को समझने का मौका मिलता है। विद्यार्थियों में विशेष रूप से वृद्धजनों के प्रति श्रद्धा की भावना जागृत करने के प्रयास किये जाते हैं। इन विद्यार्थियों को आस-पास के पुरातत्व महत्व के स्थलों का भी भ्रमण कराया जाता है।

प्रधानमंत्री का पत्र- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भोपाल से गये विद्यार्थियों और शिक्षक से अनुभव जाने हैं। उन्होंने पत्र लिखकर प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभव को अन्य विद्यार्थियों के साथ साझा करने की बात भी कही है।

आत्मनिर्भर एवं समृद्ध भारत की कहानी का एक और नया अध्याय शुरू : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने ऑइल फील्डस बिल-2024 लोकसभा में पारित होने का किया स्वागत

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ऑइल फील्ड्स (रेग्युलेशन एंड डेवलपमेंट) बिल 2024 के लोकसभा में पारित होने का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन लाने वाला ऑइल फील्ड्स रेग्युलेशन एंड डेवलपमेंट बिल- 2024 भारत के ऊर्जा क्षेत्र को और भी अधिक मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह बिल निश्चित ही रोजगार के नए अवसर के साथ ही देश की सतत् विकास यात्रा को एक नई उड़ान देगा। उन्होंने कहा कि इस बिल के माध्यम से आत्मनिर्भर एवं समृद्ध भारत की कहानी का एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

स्वच्छता के रंग में नहीं पड़ेगी भंग

निगम का अमला शाम होते ही करेगा सफाई, हुड़दंग किया तो पुलिस करेगी कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। आज होली के रंग में शुक्रवार को शहर सराबोर रहेगा, तो नगर निगम का अमला साफ-सफाई के लिए मुस्तैद रहेगा। दरअसल, होली से रंगपंचमी के बीच शहर में स्वच्छ सर्वे की टीम आ सकती है। लोगों के रंग खेलने के फौरन बाद ही निगम के सफाई मित्र शहर को साफ-सुधरा करने में जुट जाएंगे।

इसके लिए करीब 10 हजार कर्मचारी और अधिकारी मैदान में होंगे। अगर होली के बाद ही सफाई पर काम नहीं किया, तो स्वच्छ सर्वे के रंग में भंग पड़ सकता है। पहली बार नगर निगम होली के रंग में रंगे कपड़ों को घरों से एकत्रित करेगा। अनुमान है कि 6 क्विंटल कपड़ा इकट्ठा हो सकता है। अन्ना नगर में रिसाइकिल स्टेशन बन रहा है, जहां इन कपड़ों से धागा बनाया जाएगा।

- 5.57 लाख घरों और दुकानों से हर रोज 900 टन कचरा निकलता है।
- 465 गाड़ियां हैं नगर निगम के पास डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए।
- 1700 टन तक कचरा एक दिन में आसानी से उठा सकता है निगम।

सीसीटीवी कैमरों से रहेगी नजर

शहर की सुंदरता पर करीब 100 करोड़ खर्च किए हैं। 52 सड़कें नई बनाई गई हैं। दीवारों पर पेटिंग की गई हैं। फाउंटेन लगे हैं। लाइट लगी हैं। निगम को डर है कि लोग इनको नुकसान पहुंचा सकते हैं। हर वार्ड में टीम लगाई गई है, जो इस तरह के हुड़दंगियों पर नजर रखेगी। अगर कोई इनको नुकसान पहुंचाता है, पुलिस कार्रवाई करवाई जाएगी। इसके लिए सीसीटीवी की मदद ली जाएगी।

भोपाल के आशीष का लघु चित्र 'कहानी' फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कृत

भोपाल। शहर के युवा फिल्मकार आशीष मिश्रा निर्देशित फ़िल्म 'कहानी' को ग्वालियर में आयोजित चित्रभारती फिल्म फेस्टिवल में द्वितीय विजेता होने का गौरव हासिल हुआ है।

आदित्य उपाध्याय ने इस फ़िल्म के लाइन प्रोड्यूसर हैं। फ़िल्म फ़ेस्टिवल सतपुडा चलचित्र समिति द्वारा करवाया गया इस फेस्टिवल में लगभग 600 लघु फिल्में, कैम्पस फिल्म और डॉक्यूमेंट्री भेजी गई थीं, लेकिन केवल 15 फिल्में कैम्पस फिल्म, 28 डॉक्यूमेंट्री एवं 30 लघु फिल्मों का चयन किया गया। यह फिल्म इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट कॉलेज, ग्वालियर में स्क्रीनिंग के लिए चुनी गई है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मेंद्र लोधी पर्यटन मंत्री, समर जयसिंह अभिनेता, देवेंद्र मालवीय निर्देशक और पटकथा लेखक, विनोद तिवारी निर्देशक निर्माता, वरिष्ठ ऐतिहासिक श्रीधर प्रधान, अतुल गंगवार निर्देशक, विनोद नागर फिल्म समीक्षक आदि शामिल हुए। आशीष मिश्रा ने इस उपलब्धि पर कहा कि यह पुरस्कार नए आत्मविश्वास का प्रतीक है। सिनेमा की रचनात्मक समझ का सम्मान है।

भोपाल के वीआईपी रोड से बीएमसी का बोर्ड तोड़ा

इन्वेस्टर्स समिट के लिए निगम ने लगाया था बोर्ड; जाली भी तोड़ी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 24-25 फरवरी को हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए नगर निगम ने करोड़ों रुपए खर्च करके सौंदर्यीकरण के काम कराए थे। निगम ने वीआईपी रोड पर बीएमसी के बोर्ड भी लगाए थे। इनमें से एक बोर्ड को कुछ युवकों ने तोड़ दिया। वहीं, जाली भी उखाड़ ली।

दो युवकों की इस हरकत का वीडियो भी सामने आया है। इसमें एक युवक बीएमसी का बोर्ड उखाड़कर ले जाते हुए दिखाई दे रहा है, जबकि दूसरे युवक के हाथ में नशीला पदार्थ रखा था। वीडियो में वे बोर्ड और जाली को कबाड़खाने में बेचने की बात कहते नजर आ रहे हैं।

निगम ने थाने में शिकायत की- इस मामले में नगर निगम ने थाने में भी शिकायत की है। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने कहा कि शहर की खूबसूरती बिगाड़ने वालों को नहीं बख्शेंगे। कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसे लेकर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। दिन के साथ अब रात में भी मानीटरिंग की जाएगी।

समिट को लेकर निगम ने 33 करोड़ रुपए किए थे खर्च

बता दें कि समिट को लेकर निगम ने करीब 33 करोड़ रुपए खर्च किए थे। एयरपोर्ट से लेकर मानव संग्रहालय, बोट क्लब, एमपी नगर, चार इमली, श्यामला हिल्स समेत कई इलाकों में पेंटिंग और फाउंटेन का काम निगम ने किया। इसमें 5 करोड़ 76 लाख रुपए खर्च किए गए। लाखों पौधे लगाने के साथ लेक से जुड़े काम में 17.25 करोड़ रुपए खर्च हुए। वहीं, पूरे शहर में करीब 10 करोड़ रुपए में लाइटिंग की गई है। इस तरह कुल 32.74 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे।

कमला पार्क से जाली उखाड़ते रंगेहाथों पकड़ा था

इससे पहले, 1 मार्च को कमला पार्क में लगी जाली को तोड़ते हुए निगम अधिकारियों ने एक व्यक्ति को रंगेहाथों पकड़ा था। बाद में उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया था। तलैया थाना पुलिस ने कार्रवाई की थी।

कस्तूरबा अस्पताल में स्वास्थ्य सुरक्षा व्याख्यानमाला

भोपाल। अस्पतालों के संबंध में आम धारणा इलाज सुविधा केंद्र है, किन्तु यदि वहां पर सेवारत डॉक्टर समुदाय द्वारा चिकित्सा योगदान से एक कदम ऊपर उठकर बीमारी इंसान को स्पर्श ही न कर पाए, ऐसी सावधानी एवं उपाय से आम आदमी को प्रशिक्षित कर सकें तो बात अपने आप में सराहनीय ही जाती है। भेल स्थित कस्तूरबा अस्पताल द्वारा पिछले दिनों भेलकर्मियों को इस दिशा में जाग्रत करने तथा कारण निवारण उपायों से परिचित कराने हेतु 'स्वास्थ्य सुरक्षा व्याख्यानमाला' आरम्भ की गई है, जिसके अंतर्गत 'विश्व किडनी दिवस' पर किडनी संबंधित रोगों के कारण, निवारण एवं निराकरण सहित इस दिशा में नवीनतम शोध इत्यादि की विस्तृत जानकारी मुख्य वक्ता डॉक्टर दीपमलिका आतराम, मेडिसीन विशेषज्ञ द्वारा साझा की गई, जिसकी भेलकर्मियों द्वारा भरपूर प्रशंसा की गई। यह आयोजन डॉ. अल्पना तिवारी, प्रमुख चिकित्सा सेवा के मुख्य आतिथ्य एवं डॉ. आरती सिंह, विभागाध्यक्ष मेडिसिन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

भोपाल में एमबीए की छात्रा से रेप

बी.टेक छात्र ने शादी का झांसा देकर की ज्यादती, अब फोन उठाना बंद किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हबीबगंज थाने में एमबीए की एक छात्रा ने प्रेमी के खिलाफ रेप की एफआईआर दर्ज कराई है। आरोपी ने पिछले साल एक होटल के रूम में उसके साथ ज्यादती की थी। विरोध करने पर उसने जल्द शादी कर लेने का झांसा दिया था। अब आरोपी ने शादी करने की बात से साफ इनकार कर दिया। लड़की का कॉल उठाना भी बंद कर दिया। तब थाने पहुंची पीड़िता ने एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस आरोपी युवक की तलाश में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय पीड़िता भोपाल में रहती है और एक प्राइवेट कॉलेज से एमबीए सेकेंड ईयर की पढ़ाई कर रही है। आरोपी युवक सुमीत पासवान दिल्ली का रहने वाला है। 2021 में दोनों की दोस्ती सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी। तब सुमीत भोपाल में रहकर बी.टेक की पढ़ाई कर रहा था। दोनों के बीच फोन पर बातचीत होती रही।

घुमाने के बहाने होटल ले गया था आरोपी- आरोपी ने पिछले साल जनवरी महीने में लड़की को मिलने बुलाया। घुमाने के बहाने अपने वाहन पर बैठाया और हबीबगंज इलाके के एक होटल में ले गया। यहां उसने पीड़िता के साथ ज्यादती की। लड़की ने विरोध किया तो आरोपी ने जल्द शादी करने का भरोसा दिला दिया।

पिछले तीन महीने से आरोपी युवती का कॉल नहीं उठा रहा है। उससे बात बंद कर दी है और शादी करने से भी साफ इनकार कर चुका है। तब पीड़ित छात्रा ने थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराई।

रेप पीड़िता ने बच्चे को जन्म दिया- इधर,नर्मदापुरम की रहने वाली 22 वर्षीय युवती के साथ उसके जीजा ने दुष्कर्म किया। दरअसल, पीड़िता की बड़ी बहन भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में रहती है। बड़ी बहन को पिछले साल डिलीवरी होना थी। घर की देखरेख के लिए छोटी बहन यहां आई थी। 1 जनवरी 2024 को पीड़िता घर में अकेली थी। तभी उसके जीजाजी ने अकेला देख उसके साथ ज्यादती कर दी।

कुछ समय बाद लड़की की शादी दूसरे लड़के से हो गई। शादी के दो महीने बाद ही लड़की के पेट में दर्द हुआ। चेक अप कराने पर पता लगा कि वह पांच महीने प्रेग्नेंट है। पति ने उसे मायके में छोड़ दिया, पिछले दिनों पीड़िता ने जीजा के बच्चे को जन्म दिया, इसके बाद उसने थाने में शिकायत कर दी। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने आरोपी जीजा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री संगीता शर्मा का तीखा वार

भ्रष्टाचार का अड्डा बना प्रदेश, सरकारी खजाने में डाका डाल रही सरकार

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस की प्रवक्ता सुश्री संगीता शर्मा ने भाजपा सरकार पर करारा हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की नीतियों और शासन प्रणाली को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के नाम पर निवेश के झूठे आंकड़े पेश कर जनता को गुमराह कर रही है। मीडिया में करोड़ों रुपए खर्च कर अपनी ब्रांडिंग करने वाली भाजपा सरकार वास्तव में निवेश और विकास के नाम पर सिर्फ हवा-हवाई दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है।

अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर विभिन्न विभागों में चल रहे 'प्रभार' के खेल पर सवाल उठाते हुए सुश्री शर्मा ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार को संगठित रूप से बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश का खजाना लूटने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा नेताओं की 38 पीढ़ियों का आर्थिक बंदोबस्त करने के लिए सरकारी धन को ठिकाने लगाया जा रहा है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री शर्मा ने एक्स पर ट्वीट किया है कि, भाजपा की सरकार ने विकास के झूठे दावों में पीएचडी कर ली है। जनता के पैसे से बड़े-बड़े विज्ञापन छपवाकर निवेश और विकास का ढिंढोरा पीटा जा रहा है, लेकिन हकीकत यह है कि प्रदेश की आर्थिक स्थिति बदहाल है और जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 20 सालों से भाजपा शासन में 'प्रभार' नामक खेल शुरू कर दिया गया है, जिसके जरिए सरकारी घोटालों को अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यह 'प्रभार' आखिर है क्या? दरअसल, इसमें अधिकारी-कर्मचारियों को अस्थायी रूप से जिम्मेदारियां सौंपी जाती हैं, ताकि वे भाजपा नेताओं के इशारों पर काम कर सकें और भ्रष्टाचार का खुला खेल चलता रहे।

उन्होंने हाल ही में उजागर हुए धान उपार्जन घोटाला, परिवहन घोटाला, नर्सिंग कॉलेज घोटाला, पटवारी परीक्षा घोटाला और बीज घोटाला का जिक्र करते हुए कहा कि यह सभी घोटाले प्रभार प्रणाली का ही नतीजा हैं, जहां अधिकारी और कर्मचारी नियमों को ताक पर रखकर भाजपा नेताओं के हित में काम करते हैं।

नौकरियों में भाई-भतीजावाद, जुगाड़ से मिल रही कुर्सियां - सुश्री शर्मा ने भाजपा सरकार पर नौकरियों में भारी गड़बड़ी और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकारी विभागों में नौकरियों का बंटवारा योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि नेताओं की सिफारिश और जुगाड़ से किया जा रहा है। उन्होंने कहा, सरकार के करीबी लोग मलाईदार पदों पर बैठे हैं। भाजपा नेताओं के चहेते अधिकारी नियम-कायदों को दरकिनार कर मनमानी कर रहे हैं, जिससे पूरी शासन व्यवस्था चरमरा गई है।

धन कमाने की 'मशीन' बन गई है भाजपा सरकार

कांग्रेस प्रवक्ता सुश्री संगीता शर्मा ने भाजपा सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा के लिए सत्ता सिर्फ धन उगाही का जरिया बन गई है। सुश्री शर्मा ने कहा कि भाजपा नेताओं के लिए भ्रष्टाचार अब 'जन्मसिद्ध अधिकार' बन गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का एकमात्र उद्देश्य राजकोष को लूटकर अपने नेताओं और उनके परिवारों का आर्थिक भविष्य सुरक्षित करना है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, भाजपा सरकार को अगर खुद पर इतना ही भरोसा है, तो वह जनता के बीच आकर बताए कि उसने 20 सालों में कितने रोजगार दिए, कितनी फैक्ट्रियां खुलवाईं और कितना निवेश जमीन पर उतरा? प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता अब भाजपा सरकार की हकीकत समझ चुकी है। उन्होंने कहा, जनता अब विकास के झूठे वादों, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से तंग आ चुकी है। आगामी चुनाव में जनता भाजपा को इसका करारा जवाब देगी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार को जवाबदेह बनाया जाए और हर घोटाले की गहन जांच हो, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।